RNI-UPHIN/2009/30721

शनिवार 21 जून 2025
सूर्योदय प्रातः 05:24 बजे
सूर्यास्त सांय 19:22 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 न थल सुरक्षित न नभः दावे परिवहन क्रांति के?

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 246 | गाजियाबाद, शनिवार 21 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

लालू के 'एमवाय' के जवाब में मोदी का 'डीएमपीए' दांव

पीएम ने सीएम नीतिश के साथ सेट कर दिया बिहार चुनाव 2025 का एजेंडा

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सिवान की भूमि से राजद के एमवाय समीकरण के जवाब में डीएमपीए के फार्मूले को सार्वजनिक करके जीत का मंत्र दे डाला। भले मुद्दा पुराना हो लेकिन नए तेवर के साथ पीएम मोदी ने बिहार की जनता के सामने उस सच को रखा, जिसे आज के नवयुवक किस्से कहानियां समझते हैं। लालटेन और पंजा की सरकार ने बिहार को अपराध, जंगलराज और भ्रष्टाचार में डबो रखा था। लेकिन डबल इंजन की सरकार ने विकास का मतलब समझाया। अब तक माई समीकरण के बल पर सत्ता का दुख भोग रहे राष्ट्रीय जनता दल के सामने पीएम मोदी ने एक बड़े जातीय समीकरण को खड़ा कर जीत की बाजी चल दी। कहा कि ये लालटेन और पंजा वाली सरकार ने डीएमपीए यानि दलित ,महादलित / पिछड़ा,अतिपिछड़ा का कोई भला नहीं किया। ये लालटेन और पंजे वालों ने गरीबी हटाओ का सिर्फ नारा दिया, लेकिन इस सरकार का गरीबों से कोई लेना देना नहीं।

- **राजद के अम्बेडकर के अपमान को बनाया मुद्दा**– हाल ही में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद अपने जन्मदिन पर इसलिए चर्चा में आए कि एक वीडियो में अम्बेडर की तस्वीर को उनके पैरों के पास दिखाया गया। पीएम मोदी ने इस मुद्दे को काफी जबरदस्त तरीके से उठाते कहा कि लालटेन और पंजे वाले के लिए अम्बेडकर की जगह पैरों के नीचे है। लेकिन पीएम मोदी तो बाबा साहेब अम्बेडकर को सीने में रखता है। इस मौके पर पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के विकास कार्यों की चर्चा करते कहा कि बिहार का मढ़ौरा से पहला रेल इंजन अफ्रीका जा रहा है। बिहार का इंजन अफ्रीका की रेलगाड़ी को चलाएगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने छात्रों संग मनाया जन्मदिन दिव्यांगजनों को समर्पित किया खास दिन

✷ वेबवार्ता. देहरादून ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में राष्ट्रीय दृष्टि विकलांग व्यक्ति सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीवीडी) के छात्रों संग मिलकर मनाया। यहां बताते चलें कि राष्ट्रपति मुर्मू तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर हैं और आज जन्मदिन का छात्रों के बीच रहना प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा है।

इससे पहले जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यपाल गुरमीत सिंह ने भव्य स्वागत किया। जहां से वह सड़क मार्ग से देहरादून पहुंचीं। पूरे दौरे के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अमला पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने एनआईईपीवीडी परिसर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में छात्रों से संवाद किया और उन्हें बेहतर जीवन जीने के टिप्स दे उनका हौसला भी बढ़ाया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, कि यह पहला अवसर नहीं है जब मैं अपना जन्मदिन दिव्यांगजनों के साथ मना रही हूं। 2023 में भी मैंने इसी संस्थान में यह खास दिन उनके साथ बिताया था।

उन्होंने आगे कहा कि दिव्यांगजनों को दया की नहीं, सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने समाज से अपील की कि सभी नागरिक दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील बनें और उनके सशक्तिकरण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने मौजूद छात्रों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इनमें वह क्षमता है जो देश के विकास में अहम योगदान दे सकती है।

इस विशेष अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यपाल गुरमीत सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने बच्चों के सांस्कृतिक प्रश्तुतियों का आनंद लिया और उनके साथ समय भी बिताया।

राष्ट्रपति के उत्तराखंड दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां चाक-चौबंद हैं। उनके तीन दिवसीय प्रवास (19 से 21 जून) के दौरान राजधानी देहरादून सहित अन्य क्षेत्रों में कई कार्यक्रम प्रश्तावित हैं।

ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी पुलिस ने विशेष डायवर्जन प्लान लागू किया है ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मू अपने दौरे के दौरान उत्तराखंडवासियों के लिए कुछ बड़ी सौगातों की घोषणा भी कर सकती हैं। इससे राज्य को सामाजिक और संरचनात्मक विकास की दिशा में नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली में अगले चार दिनों के भीतर दस्तक दे सकता है मानसून

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। दिल्ली में अगले चार दिनों में यानी अगले सप्ताह मानसून दश्तक दे सकता है। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभ के चलते अगले चार दिनों में आमतौर पर बादल छाए रहने और कभी-कभी बूंदा-बांदी के साथ गर्मी और उमस रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी की गई जानकारी के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के शेष हिस्सों, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, उत्तराखंड के अधिकांश हिस्सों, हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों और लद्दाख के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है। विभाग ने बताया कि अगले 2 दिनों के दौरान उत्तरी अरब सागर के शेष हिस्सों, राजस्थान के कुछ और हिस्सों, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश के शेष हिस्सों और जम्मू और कश्मीर-गिलगित-बाल्टिश्तान-मुजफ्फराबाद के कुछ हिस्सों, लद्दाख के कुछ और हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मंगलवार तक जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों तथा चंडीगढ़ और दिल्ली के शेष भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हो रही हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में मानसून आमतौर पर 27-30 जून के आसपास आता है। इस साल मौसम विभाग ने एक सप्ताह पहले मानसून पहुंचने की संभावना जताई थी।

कर्नाटक में अल्पसंख्यक आरक्षण बढ़ाने को लेकर भाजपा हमलावर, कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। कर्नाटक सरकार द्वारा विभिन्न आवास योजनाओं के तहत अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण को 10 से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने पर भाजपा हमलावर है। शुक्रवार को भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर हमला करते हुए उसे मुस्लिम लीग का आधुनिक रूप बताया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस ने देश के संसाधनों पर मुसलमानों का पहला अधिकार बताया था। उन्होंने एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण छीन कर उन्हें धार्मिक आधार पर मुस्लिम समुदाय को आवंटित किया है, जो अंबेडकर और संविधान के विपरीत है। शहजाद पूनावाला ने कहा कि सिविल अनुबंधों में भी मुसलमानों को आरक्षण दिया है, जो संवैधानिक भावना के खिलाफ है। अब, वे केवल हिंदू समुदाय के घावों पर नमक छिड़कने के लिए ऐसा कर रहे हैं। उनके लिए हिंदू मायने नहीं रखते। उन्होंने कहा कि वे फर्जी जाति सर्वेक्षण करते हैं, जिसे उन्हें वापस लेना होगा। इसमें मुस्लिम आबादी अधिक दिखाई गई है और अब वे केवल वोटबैंक की राजनीति के कारण धार्मिक आधार पर मुसलमानों को अतिरिक्त कोटा दे रहे हैं।

सेना के इलाके में फोटो खींचते चार गिरफ्तार

✷ **वेबवार्ता. हैदराबाद** ✷। सिकंदराबाद कैंटोनमेंट एरिया में सेना के नियंत्रण वाले क्षेत्र में अवैध तरीके से घुसने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से फर्जी वायुसेना अधिकारी के पहचान पत्र मिला है। इनमें दो पुरुष और दो युवतियां हैं और चारों फोटो और वीडियो ले रहे थे। लेफ्टिनेंट कर्नल ने तिरुमलागिरी पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई है। इन चारों संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जारी के अनुसार चारों लोग वायुसेना की वर्दी में तिरुमलागिरी में एमसीईएमई के टेक्नो चौक गेट में सेना के इलाके में घुसे थे।यह लोग वर्दी में थे, इसलिए किसी ने रोका नहीं। चारों ने मिलिट्री कैंटीन में घुस वीडियो बनाना शुरू कर दिया। इस पर सेना के जवानों को शक हुआ और उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। चारों से पूछताछ के दौरान इनके पहचान पत्र फर्जी निकले। इसके बाद चारों आरोपितों को तिरुमलागिरी पुलिस के हवाले कर दिया।

इजराइल में माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के पास गिरी ईरानी मिसाइल

6 लोग घायल,कई गाड़ियों में लगी आग,इजराइल का पलटवार

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के नजदीक गिरी। इससे कई कारों में आग लग गई। आस-पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। इसमें 6 लोग घायल हो गए हैं। यह लगातार दूसरा दिन है, जब बीर्शेबा शहर पर मिसाइल हमला हुआ है। इससे पहले गुरुवार को भी ईरान ने बीर्शेबा के एक अस्पताल पर मिसाइल दागी थी, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि ईरान अब परमाणु हथियार बनाने की पूरी क्षमता रखता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कहा कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई आदेश दे दें, तो ईरान कुछ ही हफ्तों में परमाणु बम बना सकता है। लेविट ने कहा कि ईरान के पास परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। अब बस उन्हें अपने नेता के हां कहने भर की देर है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान ऐसा करता है, तो इससे दुनिया की सुरक्षा को खतरा होगा।

जंग के कारण 8,000 से ज्यादा इजराइली बेघर हुए

इजराइल और ईरान के बीच 8 दिनों से जारी जंग के कारण अब तक 8,000 से ज्यादा इजराइली बेघर हो गए हैं। येदिओथ अहरोनोथ अखबार ने इजराइली संपत्ति कर मुआवजा कोष का हवाला देते हुए बताया कि ईरानी हमले से इमारतों या वाहनों को हुए नुकसान के कारण मुआवजे के लिए करीब 30,000 एप्लिकेशन आए हैं।

हवाई अड्डों के पास से हटाए जाएंगे सभी अवरोध

सीमा से अधिक ऊंचाई वाले पेड़ और भवनों की आएगी शामत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एअर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के एक सप्ताह बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने विमान सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली संरचनाओं पर नियंत्रण को और कड़ा करने के लिए नए मसौदा नियम जारी किया है। यह मसौदा 18 जून को जारी किया गया था और आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने के बाद यह लागू हो जाएगा।

नया नियम लागू होने के बाद हवाई अड्डों के पास से ऊंचे भवन और पेड़ जैसे अवरोध हटाए जाएंगे या उनकी ऊंचाई कम कर दी जाएगी। इन नियमों का उद्देश्य अधिकारियों को हवाई अड्डा क्षेत्रों में सीमा से अधिक ऊंचाई वाले पेड़ों और भवनों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने की शक्ति देना है। इसे उड़ान पथ में अवरोध के कारण होने वाली संभावित दुर्घटना को रोकने के लिए एक कदम के रूप में देखा जा रहा है। मसौदे के तहत निर्धारित ऊंचाई सीमा का उल्लंघन करने वाली किसी भी संरचना को हवाई अड्डे के प्रभारी अधिकारी द्वारा नोटिस दिया जा सकता है।

इस्लामिक देशों के हैंडलर संभाल रहे हैं कांग्रेस का सोशल मीडिया

असम सीएम ने कहा-5,000 से अधिक सोशल मीडिया अकाउंट सक्रिय

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को एक बड़ा दावा करते हुए कहा कि असम कांग्रेस के पक्ष में 5,000 से अधिक सोशल मीडिया अकाउंट अचानक सक्रिय हो गए हैं, जिनमें से अधिकतर इस्लामिक देशों से ऑपरेट हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार को इस बारे में जानकारी दे दी गई है। मुख्यमंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इन सोशल मीडिया अकाउंट्स की उत्पत्ति 47 अलग-अलग देशों से हुई है, जिनमें सबसे ज्यादा अकाउंट बांग्लादेश और पाकिस्तान से हैं। ये अकाउंट पिछले एक महीने से असम कांग्रेस की गतिविधियों और एक विशेष कांग्रेस नेता पर केंद्रित हैं। शर्मा ने आरोप लगाया कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए ये अकाउंट्स राज्य के राजनीतिक माहौल को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं।

वह निरक्षर, अच्छी शिक्षा नहीं मिली, इसलिए अपराध किया

एचसी ने फांसी की सजा बदलकर 25 साल कारावास कर दिया

जबलपुर/खंडवा (एजेंसी)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने 4 साल की बच्ची के साथ रेप के दोषी को राहत दी है। हाईकोर्ट की जबलपुर बेंच ने उसकी फांसी की सजा को 25 साल की सजा में बदल दिया है। जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस देवनारायण मिश्रा की डिवीजन बेंच ने कहा, दोषी निरक्षर और आदिवासी है। बचपन में उसे अच्छी शिक्षा नहीं मिली, जिसके चलते उसने यह अपराध किया था। मामला खंडवा जिले में 30 और 31 अक्टूबर 2022 की दरमियानी रात का है। 4 साल की बच्ची अपने घर में सो रही थी। इसी दौरान परिजन उठे तो वह बिस्तर पर नहीं दिखी। तलाश करने पर बच्ची घर के पास बने आम के बगीचे में मरणासन्न हालत में मिली। खंडवा में प्राथमिक उपचार के बाद उसे इंदौर रेफर किया गया था। पुलिस ने आरोपी राजकुमार को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। अप्रैल 2023 में ट्रायल कोर्ट ने बच्ची के साथ रेप और हत्या के प्रयास के आरोप को सही पाते हुए उसे फांसी की सजा सुनाई थी। राजकुमार (20) खालवा का रहने वाला है।

झाड़ियों में बेहोश मिली मासूम,मुश्किल से बची जान

उधर, परिजन की रिपोर्ट पर पुलिस ने बच्ची की तलाश शुरू की। अगली सुबह पुलिसकर्मी स्निफर डॉग के साथ परिवार की झोपड़ी पर पहुंचे। यहां डॉग राजपूत ढाबे पर जाकर रुक गया। पुलिस ने स्टाफ से पूछताछ की। पता लगा कि राजकुमार रात से गायब है। पुलिस का शक गहराया। राजकुमार के मोबाइल को सर्विलांस पर डाला गया। लोकेशन पता लगते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसने बताया कि रेप के बाद बच्ची को मारकर फेंक दिया है। पुलिस ने उसकी बताई लोकेशन से बच्ची को ढूंढ़ निकाला। सांसें चलती देख उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से इंदौर रेफर किया गया, जहां लंबे इलाज के बाद उसकी जान बच सकी। ट्रायल कोर्ट में बचाव पक्ष ने दलील दी कि डीएनए रिपोर्ट के अलावा पुलिस के पास कोई भी सबूत नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में 5 साल में दर्ज रेप के 43% केस निकले झूठे, कई महिलाओं पर ऐक्शन

गुरुग्राम, एजेंसी। दिल्ली से सटे गुरुग्राम में दुष्कर्म के मामलों को लेकर एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। एक आरटीआई (सूचना का अधिकार) से पता चला है कि पिछले पांच सालों में दर्ज कराए गए दुष्कर्म के 43.6त्न मामले पुलिस की जांच में झूठे पाए गए। पुलिस द्वारा झूठा मामला दर्ज करवाने वाली कई महिलाओं के खिलाफ 182 के तहत कार्रवाई भी की गई। आरटीआई एक्टिविस्ट दीपिका नारायण भारद्वाज द्वारा लगाई गई आरटीआई पर मिले जवाब में बताया गया है कि 1 जनवरी 2020 से 18 दिसंबर 2024 तक गुरुग्राम पुलिस में दुष्कर्म के कुल 955 मामले दर्ज हुए। इनमें से 417 मामले (यानी 43.6त्न) सीधे तौर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने की शिकायत पर आधारित थे। इसका मतलब है कि ऐसे मामलों में लड़का-लड़की पहले अपनी मर्जी से संबंध बनाते हैं, लेकिन बाद में शादी नहीं होने पर लड़की दुष्कर्म का आरोप लगा देती है। 417 मामलों में जांच करते हुए 236 एफआईआर में पुलिस को पीड़ित पक्ष के द्वारा लगाए गए आरोपों का कोई भी साक्ष्य नहीं मिला। ऐसे में पुलिस ने सभी मामलों को रद्द करने की सिफारिश की। कथित तौर पर झूठे आरोप लगाकर मामला दर्ज करवाया गया था। पुलिस द्वारा 96 मामलों में झूठा केस दर्ज करवाने वाली महिलाओं के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इसमें छह माह तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। वरिष्ठ वकील मनीष शांडिल्य ने कहां जब इतने सारे झूठे मामले दर्ज होते हैं, तो इससे पुलिस और अदालतों पर फालतू का बोझ पड़ता है। इससे न्याय प्रणाली के संसाधन बर्बाद होते हैं और असली यौन हिंसा के शिकार लोगों को न्याय मिलने में देरी होती है। कई बार तो मामलों को भी गंभीरता से नहीं देखा जाता। न्याय की पूरी प्रक्रिया कमजोर होती है।

कर्नाटक सरकार ने लिया आवासीय योजनाओं के तहत अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण 10 से बढ़ाकर 15 फीसदी करने का फैसला

बेंगलुरु, एजेंसी। कांग्रेस शासित कर्नाटक की सिद्धरमैया सरकार ने मुस्लिमों पर फिर मेहरबानी दिखाई है। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने 19 जून को राज्य में विभिन्न आवासीय योजनाओं के तहत अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण 10 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी करने का फैसला किया है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राज्य के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा, ''राज्य भर में शहरी और ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में आवास विभाग द्वारा लागू की जा रही विभिन्न आवास योजनाओं के तहत अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया है।'' उन्होंने कहा कि राज्य में अल्पसंख्यकों में बेघरों की बड़ी संख्या को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। कांग्रेस सरकार द्वारा यह फैसला सरकारी सिविल ठेकों में 4त्न मुस्लिम आरक्षण संबंधी विधेयक पारित करने के कुछ सप्ताह बाद लिया गया है। गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया है। मुख्य विपक्षी दल भाजपा सिद्धरमैया सरकार के इस फैसले से भड़क उठी है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने सरकार के इस फैसले की निंदा की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अतिरिक्त कोटा एससी/एसटी और ओबीसी समुदाय के सदस्यों के लिए बने घरों की संख्या को कम कर देगा और कहा कि भाजपा भविष्य की कार्रवाई के बारे में फैसला करेगी। अदालत का दरवाजा खटखटाएंगेः केंद्रीय मंत्री केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा, यह संविधान के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट ने भी धर्म आधारित आरक्षण को खारिज कर दिया है। इससे ओबीसी, एससी, एसटी और सामान्य जाति के गरीब लोगों का कोटा कम हो जाएगा। कर्नाटक सरकार तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। मैं इसकी निंदा करता हूं... हम इसके खिलाफ अदालत का दरवाजा भी खटखटाएंगे। हालांकि, राज्य सरकार ने कहा कि उसका यह फैसला केंद्र सरकार के निर्देश के जवाब में लिया गया है, जिसमें कहा गया है कि अल्पसंख्यक समुदाय आवास की कमी का सामना कर रहे हैं। सीएम कार्यालय की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, हमारी सरकार ने इन समुदायों के बेघर लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए और सामाजिक न्याय को बनाए रखने के लिए कोटा बढ़ाया है। बता दें कि इसी साल मार्च में सिद्धारमैया सरकार ने सरकारी सिविल ठेकों में मुस्लिमों को चार फीसदी आरक्षण का प्रावधान करने वाला बिल विधानसभा से पारित कराया था।

महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों से पहले उद्धव और राज ठाकरे में गठबंधन के मिल रहे संकेत

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों से पहले उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे में गठबंधन के संकेत मिल रहे हैं। इस बात का इशारा खुद उद्धव ठाकरे ने दिया है। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह नगर निगम चुनावों से पहले उनके चचेरे भाई राज ठाकरे की अगुवाई वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ उनकी पार्टी के गठबंधन की संभावना को विफल करने की कोशिश कर रही है। उद्धव ने यह बातें दिवंगत बाल ठाकरे द्वारा गठित अविभाजित शिवसेना के 59वें स्थापना दिवस के अवसर पर एक रैली को संबोधित करते कहीं। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी को चेतावनी दी कि अगर उसने 'ठाकरे ब्रांड' को नुकसान पहुंचाया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

भाजपा पर साधा निशानाउद्धव ने कहा कि मराठी दलों के गठबंधन की संभावना को विफल करने के लिए होटलों और अन्य जगहों पर बैठकें की जा रही हैं। वह जाहिर तौर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ राज ठाकरे की शहर के एक पांच सितारा होटल में हाल ही में हुई बैठक का जिक्र कर रहे थे। ठाकरे ने नाना पाटेकर अभिनीत फिल्म 'प्रहार' का संवाद दोहराते हुए कहा, 'लोग जो चाहते हैं, वही होगा। हम देखेंगे कि यह कैसे किया जाता है। भाजपा और एकनाथ शिंदे-नीत शिवसेना नहीं चाहती कि मराठी पार्टियां एकजुट हों। यदि आप ठाकरे ब्रांड को खत्म करने की कोशिश करेंगे, तो हम भाजपा को खत्म कर देंगे। मैं तैयार हूं। मैं भाजपा से कहना चाहता हूं.....जब आप मुझे लेने आएं.....अपने लिए एम्बुलेंस लेकर आएं।'

अटकलें हैं कि मुंबई और राज्य के अन्य हिस्सों में निकाय चुनाव के मद्देनजर दोनों ठाकरे चचेरे भाई गठबंधन कर सकते हैं। इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य में हिंदी को किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने मुंबई निकाय पर पार्टी का कब्जा बरकरार रहने का भरोसा जताते हुए कहा कि भाजपा निकाय चुनावों की पूर्व संध्या पर मराठी और हिंदी भाषी लोगों के बीच विभाजन पैदा करना चाहती है।

उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि भाजपा के पास अपनी कोई विरासत नहीं है। उसे सरदार वल्लभभाई पटेल की एक विशाल प्रतिमा स्थापित करनी पड़ी, जिन्होंने देश का गृह मंत्री रहते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार धारावी पुनर्विकास परियोजना के लिए मुंबई को अदाणी समूह को 'मुफ्त' में दे रही है। ठाकरे ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली प्रतिद्वंद्वी शिवसेना की रैली को 'चोरों का जमावड़ा' भी करार दिया।

सोसाइटी के पूर्व एओए अध्यक्ष सहित 8 लोगों पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

थाना फेस-3 क्षेत्र स्थित सेक्टर-70 की एक आवासीय सोसाइटी में अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन (एओए) के पूर्व पदाधिकारियों पर धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और संपत्ति की चोरी जैसे गंभीर आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत बिल्डर प्रतिनिधि द्वारा दर्ज कराई गई है।

थाना फेस-3 के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि पेन रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड (पैन ओशिश) के अधिकृत प्रतिनिधि पुनीत कुमार मलिक की ओर से यह शिकायत दी गई थी। शिकायत में पूर्व एओए अध्यक्ष अमरनाथ वर्मा, आरवी पांडे, धर्मवीर सिंह, धर्मचंद, सुरेंद्र कुमार शर्मा, वीरेंद्र कुमार जैन, सुनील चौधरी सहित एक अज्ञात व्यक्ति को नामजद किया गया है।

पीड़ित के अनुसार, ये सभी आरोपी सेक्टर-70 स्थित पैन ओशिश सोसाइटी में एओए के पदाधिकारी रह चुके हैं। इन पर आरोप है कि इन्होंने निवासियों द्वारा दिए गए मेंटेनेंस फंड का दुरुपयोग किया और व्यक्तिगत हितों के लिए खर्च किया। इसके अलावा, उन्होंने बिल्डर के रखे सामान की चोरी भी की और धोखाधड़ी व विश्वासघात किया।

पुलिस ने IPC की धारा 406 (अमानत में खयानत), 420 (धोखाधड़ी), 409 (विश्वासघात द्वारा संपत्ति का दुरुपयोग) आदि के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद 5 शातिर लुटेरों को किया गिरफ्तार

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

पुलिस का एक्शन लगातार जारी है। अपराध करने वाले बदमाशों को मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। इसी क्रम में कवि नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई।

पुलिस ने लूट को अंजाम देने वाले गिरोह के 5 लुटेरों को धर दबोचा। मुठभेड़ के दौरान 4 बदमाश घायल हो गए। इन बदमाशों के पास से करीब 5 लाख रुपये की नकदी और अवैध हथियार बरामद किए गए।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, रोज की तरह पुलिस टीम बैरिकेडिंग कर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी दो बाइकों पर सवार 5 बदमाश पुलिस को आते दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रोकने का इशारा किया तो उन्होंने पुलिस टीम पर जानलेवा हमला कर दिया।

अधिकारियों ने कहा कि पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई, जिसमें दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी। इन दो घायल बदमाशों समेत पुलिस ने कुल तीन अपराधी गिरफ्तार किए। हालांकि इस मुठभेड़ में दो बदमाश भागने में कामयाब रहे।

पुलिस पूछताछ में एक बदमाश ने स्वीकार किया कि गैंग ने करीब 8 हजार रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया। लूट की वारदात में मुठभेड़ के दौरान फरार हुए दो बदमाश भी शामिल थे। हालांकि तीनों गिरफ्तार बदमाशों के पास से पुलिस ने तकरीबन 4 लाख रुपये, तीन तमंचे और एक मोटरसाइकिल बरामद की।

कवि नगर में हुई मुठभेड़ के बाद पुलिस के लिए चुनौती थी कि मुठभेड़ के दौरान फरार हुए दोनों बदमाशों को कैसे पकड़ा जाए? बाद में पुलिस ने अपना खास ऑपरेशन शुरू किया।

पुलिस अधिकारियों की ओर से इलाके में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। जिला गाजियाबाद में सभी थानों को अलर्ट पर रखा गया। अधिकारियों ने बताया कि चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि दो बदमाश बाइक पर सवार होकर मधुबन बापूधाम इलाके से गुजर रहे हैं।

पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन दोनों को रोकने का इशारा किया, लेकिन पुलिस पार्टी से अपने आप को घिरता देख बदमाशों ने गोली चलाई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने इन दोनों बदमाशों को भी धर दबोचा। इन दो बदमाशों के पास से एक लाख रुपये बरामद हुए। गाजियाबाद पुलिस ने लूट कांड में कुल 5 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है।

ये शातिर गैंग गाजियाबाद के कविनगर लूट कांड में शामिल था। बदमाशों ने 16 जून को 8 लाख से ज्यादा की रकम लूटी थी।

गाजियाबाद से अहमदाबाद-इंदौर समेत 8 शहरों तक इंडिगो की सीधी उड़ानें 20 जुलाई से होंगी शुरू

गाजियाबाद, एजेंसी।
गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से अहमदाबाद और इंदौर के लिए उड़ान 20 जुलाई से शुरू होगी। इंडिगो कंपनी ने गुरुवार को यह जानकारी साझा की है। हिंडन एयरपोर्ट से अभी मुंबई, बेंगलुरु, गोवा, चेन्नई, कोलकाता, पटना, वाराणसी, भुवनेश्वर और जयपुर के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान उड़ान भर रहे हैं। वहीं, स्टार एयर के विमान किशनगढ़, नांदेड़ और आदमपुर जा रहे हैं। इसके अलावा बठिंडा और लुधियाना के लिए फ्लाई बिग की उड़ान चल रही है। इसी क्रम में अब इंडिगो ने 20 जुलाई से हिंडन एयरपोर्ट से 8 नए शहरों की उड़ान सेवा का शेड्यूल जारी किया है।

अहमदाबाद से हिंडन एयरपोर्ट के लिए रोजाना विमान उड़ेगा, जबकि हिंडन से अहमदाबाद के लिए सोमवार से शुक्रवार तक दिन में एक विमान और रविवार को दो विमान उड़ान भरेंगे। शनिवार को हिंडन से उड़ान नहीं मिलेगी। इसी तरह हिंडन से इंदौर के लिए रोजाना विमान उड़ान भरेगा और इंदौर से हिंडन के लिए शनिवार को छोड़ कर बाकी दिन विमान सेवा मिलेगी। अहमदाबाद से विमान सुबह 8:55 बजे उड़ान भरेगा और सुबह 10:25 बजे हिंडन पहुंचेगा। वापसी में हिंडन से शाम 5:35 बजे यात्रा शुरू होगी और विमान शाम 7:05 बजे अहमदाबाद पहुंचेगा। डेढ़ घंटे की यात्रा के लिए सवा तीन हजार रुपये से भी कम में टिकट मिल रहा है। ट्रेन से अहमदाबाद पहुंचने में 12-20 घंटे तक का समय लगता है। इसके अलावा हिंडन से दोपहर 2:10 बजे विमान उड़ान भरकर दोपहर 3:30 बजे इंदौर पहुंचेगा। इसके अलावा वापसी में शाम 4:00 बजे यात्रा शुरू कर शाम 5:20 बजे हिंडन पहुंचेगा। डेढ़ घंटे की यात्रा के लिए कंपनी की साइट पर 4 हजार रुपये से भी कम में टिकट मिल रहा है।

नोएडा की सोसाइटी से पिता के 3 दोस्तों ने 9 साल की बच्ची को अगवा कर किया रेप

नोएडा , एजेंसी। नोएडा सेक्टर-21 स्थित सोसाइटी स्थित एक घर में रहने वाले घरेलू सहायक की नौ वर्षीय बच्ची का अपहरण कर यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। बच्ची ने अपने पिता के ही तीन दोस्तों पर रेप का आरोप लगाया है। सेक्टर-20 थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, बच्ची अपने पिता, बड़े भाई और बहन के साथ सोसाइटी स्थित एक घर में बने कमरे में रहती है। वह पहली क्लास में पढ़ाई करती है। उसे 17 जून को पेट में दर्द और बुखार की शिकायत हुई घर में दवा देने पर सुधार न होने पर पिता उसे चाइल्ड पीजीआई लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने बुखार की दवा लिखकर दी। पिता का कहना है कि बच्ची ने इसी दौरान डॉक्टर को बताया कि उसके साथ पूर्व में कई बार यौन उत्पीड़न की घटना हुई है। इस पर डॉक्टर चौंक गए। उन्होंने जांच के लिए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने वाले लोग गद्दार, राहुल गांधी पाकिस्तानी एजेंट: एकनाथ शिंदे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को पार्टी की स्थापना दिवस के मौके पर विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने वाले लोगों को 'गद्दार' तक कह दिया। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पाकिस्तानी एजेंट भी कहा है। वहीं शिंदे ने शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे पर हिंदुत्व को त्यागने का आरोप लगाया है।

एकनाथ शिंदे वर्ली में एनएससीआई डोम में पार्टी के स्थापना दिवस समारोह के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करने पहुंचे थे। इस दौरान शिंदे ने कहा, हमें ऑपरेशन सिंदूर पर गर्व है। ये लोग हमारी सेना पर संदेह करते हैं, उन्हें हमारी सेना पर भरोसा नहीं है। उन्हें पाकिस्तान के सेना प्रमुख पर भरोसा है। हमारे सैनिकों की बहादुरी को सलाम करने के बजाय वे हमारे हथियारों को हुए नुकसान के बारे में पूछ रहे हैं। इस तरह के सवाल उठाना देशद्रोह के बराबर है। राहुल गांधी और उनकी पार्टी के लोग पाकिस्तानी एजेंटों की तरह काम कर रही है।

उन्होंने आगे कहा कि भारतीय सेना पर सवाल उठाने वाले पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं और उन्हें पाकिस्तान से अवॉर्ड चाहिए। शिंदे ने कहा, जो लोग हमारे सशस्त्र बलों पर सवाल उठा रहे हैं और पूछ रहे हैं कि हमने कितने जेट खोए, आप पाकिस्तान की भाषा क्यों बोल रहे हैं? क्या आपको पाकिस्तान से मान्यता का प्रमाण पत्र या इनाम चाहिए?

उद्धव ठाकरे पर बरसे

शिंदे ने इस दौरान उद्धव ठाकरे पर भी निशाना साधा। उन्होंने उद्धव ठाकरे पर हिंदुत्व को त्यागने का आरोप लगाया। गौरतलब है कि उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे दोनों ने ही 1966 में बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना के 59वें स्थापना दिवस का जश्न मनाने के लिए मुंबई में अपनी पार्टियों की रैलियों को संबोधित किया। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का कार्यक्रम वर्ली के एनएससीआई डोम में आयोजित किया गया, वहीं शिवसेना (यूबीटी) की रैली सायन इलाके के षणमुखानंद हॉल में हुई।

एकनाथ शिंदे ने रैली के दौरान कहा, एक तरफ सत्ता की खातिर हिंदुत्व से समझौता करने वाले एक कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं वहीं हम यहां दिवंगत बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा पर आधारित एक कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने यूबीटी गुट पर हिंदुत्व और ठाकरे की विरासत को त्यागने का आरोप लगाते हुए कहा, वे गठबंधन के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं। विनती कर रहे हैं।

आकाशीय बिजली का कहर! उत्तर प्रदेश में बीजेपी नेता और चार बच्चों समेत 5 लोगों की मौत

कौशांबी , एजेंसी। पिछले कुछ दिनों में मौसम ने जोरदार करवट ली है। तेज हवाएं और रह रह कर बारिश हो ही है। आसमान में तेज बिजली भी चमक रही है। मौसम की मार से लोग काफी ज्यादा परेशान है। कौशांबी जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार देर रात आकाशीय बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सराय अकिल थाने के प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि जुगराजपुर गांव के चार बच्चे- सतीश कुमार (13), मनी (13), पवन दास और दीपांजलि बकरियां चरा रहे थे। इस दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी और चारों बच्चे इसकी चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि झुलस गए इन बच्चों को परिजन तत्काल निजी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने सतीश और मनी को मृत घोषित कर दिया, जबकि पवन और दीपांजलि को प्राथमिक उपचार के बाद खतरे से बाहर बताया गया है। अधिकारी के अनुसार इस घटना की जानकारी आपदा प्रबंधन विभाग को भेज दी गई है और मृतक बच्चों के परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दूसरी घटना कौशांबी थाना क्षेत्र के तारा का पूरा गांव की है। क्षेत्राधिकार अभिषेक सिंह ने बताया कि तारा का पुरा गांव में तीन बच्चे- गोविंद (15), रूपा देवी (12) और मोहित (10) भैंस चराने गए थे, तभी आकाशीय बिजली गिर गई और तीनों बच्चे झुलस गए। सिंह ने बताया कि गोविंद की मौके पर ही मौत हो गई तथा रूपा की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मोहित का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

रणथंभौर की लोकप्रिय बाघिन एरोहेड की ब्रेन ट्यूमर से मौत

रणथंभौर, एजेंसी।
रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान की लोकप्रिय बाघिनों में से एक एरोहेड की मौत हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वन अधिकारियों ने बताया कि एरोहेड (टी-84) की ब्रेन ट्यूमर से मौत हुई है। उल्लेखनीय है कि लगभग 11 वर्षीय ऐरोहेड रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान की प्रसिद्ध बाघिन मछली के परिवार से थी। थोड़े दिन पहले ही एरोहेड उस समय सुर्खियों में आई थी जब उसने एक जलाशय में मगरमच्छ का शिकार किया था और इसका एक वीडियो वायरल हो गया।

वन्य जीव प्रेमियों के अनुसार, एरोहेड द्वारा इस तरह किए गए शिकार ने मछली के शिकार कौशल की याद दिला दी, जिसे अक्सर 'रणथंभौर की रानी' और 'मगरमच्छ शिकारी' के रूप में जाना जाता था। वन अधिकारियों और वन्यजीव प्रेमियों ने बृहस्पतिवार को एरोहेड को अंतिम संस्कार से पहले भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। रणथंभौर के वरिष्ठ वन्यजीव गाइड शाकिर अली ने कहा, एरोहेड ने ताकत और भावना दोनों ही रूप में अपनी मां मछली की विरासत को आगे बढ़ाया।

रणथंभौर के फील्ड डायरेक्टर अनूप के आर के अनुसार, इस बाघिन का जन्म फरवरी 2014 में हुआ था। उसे ज्यादातर उद्यान के जोन 2, 3, 4 और 5 में देखा गया था, जिसमें नलघाटी और राजबाग झील उसका मुख्य क्षेत्र था। उन्होंने कहा, एरोहेड को न केवल उसके आकर्षक रूप के लिए बल्कि बाघों की आबादी बढ़ाने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए भी सराहा गया। एरोहेड चार बार मां बनी और 10 शावकों को जन्म दिया जिनमें से छह अब भी जीवित हैं। यह बाघिन आखिरी बार 2023 में मां बनी थी। यह भी उल्लेखनीय है कि उसकी मृत्यु उसकी संतान कनकती को वन विभाग द्वारा उद्यान से बाहर ले जाने के कुछ ही दिनों बाद हुई है। रणथंभौर नेचर गाइड एसोसिएशन के सदस्यों व अन्य वन्यजीव प्रेमियों ने एरोहेड को पुष्पांजलि अर्पित की। एसोसिएशन के अध्यक्ष यादवेंद्र सिंह ने कहा कि एरोहेड को उसके उग्र स्वभाव और उद्यान की पारिस्थितिक विरासत पर गहरी छाप के लिए याद किया जाएगा।

पहले सीनियर अब्दुल्ला अब सीएम बेटे ने की वंदे भारत की सवारी; श्रीनगर से पहुंचे कटरा

जम्मू, एजेंसी।
जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पारंपरिक यात्रा के साधनों की जगह आज (गुरुवार, 19 जून को) सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन सेवा को चुनते हुए वंदे भारत एक्सप्रेस से श्रीनगर से कटरा तक की यात्रा की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ उनके पिता डॉ. फारूक अब्दुल्ला भी थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि कटरा पहुंचने पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। श्रीनगर से कटरा के बीच वंदे भारत ट्रेन का हाल ही में उद्घाटन हुआ है।

अपनी यात्रा के दौरान सीएम अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्रेन के अंदर बैठी तस्वीरें और 20 सेकंड का एक वीडियो क्लिप साझा करते हुए लिखा, जम्मू जाने का समय आ गया है। इस पोस्ट में उन्होंने ट्रेन की खिड़की के पास बैठे हुए और पृष्ठभूमि में वंदे भारत के आधुनिक इंटीरियर के साथ अपनी तस्वीरें साझा कीं। अपनी सुविधा, गति और आधुनिक सुविधाओं के लिए जानी जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस भारत के विस्तारित रेलवे आधुनिकीकरण का प्रतीक है। उनसे पहले पिछले हफ्ते उनके पिता फारूक अब्दुल्ला ने 10 जून को श्रीनगर से कटरा तक ट्रेन से यात्रा की थी। तब उन्होंने कहा था कि वह यह देखकर अभिभूत हैं कि कश्मीर अंततः देश के रेल नेटवर्क से जुड़ गया है। फारूक अब्दुल्ला ने तब वंदे भारत ट्रेन में यात्रा की थी और कटरा में मां वैष्णो देवी मंदिर में मत्था

टेका था। उन्होंने कहा था कि माता वैष्णो देवी मंदिर में अछे दर्शन किए और क्षेत्र में समृद्धि और भाईचारे के लिए प्रार्थना की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 6 जून को अपनी जम्मू-कश्मीर यात्रा के दौरान श्री माता वैष्णो देवी कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का उद्घाटन किया था।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, हाल ही में शुरू की गई कटरा-श्रीनगर मार्ग पर चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रियों की भारी मांग देखी जा रही है और अगले 10 दिनों के लिए बुकिंग फुल हो गई है। गौरतलब है कि चिनाब नदी पर बना यह पुल दुनिया का सबसे ऊंचा पुल है और भारतीय रेलवे के लिए एक मील का पत्थर है, जिसे कई उतार-चढ़ावों के बाद एक कठिन इलाके में पूरा किया गया। यह कश्मीर को जम्मू और पूरे देश से रेल के जरिए जोड़ता है। अब्दुल्ला ने कहा, जम्मू-कश्मीर को पूरे देश से जोड़ने के लिए यह सबसे बड़ा तोहफा है... चेनाब ब्रिज पार करते समय मेरी आंखों में आंसू थे। आखिरकार वह दिन आ गया है जब हम ट्रेन से कश्मीर से देश की यात्रा कर सकते हैं। मैं इस पुल को बनाने वाले सभी श्रमिकों और इंजीनियरों को बधाई देना चाहता हूं... नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा करने में लगभग तीन घंटे का समय लेगी। इस से मौजूदा यात्रा समय में दो से तीन घंटे की कमी आई है। इन ट्रेनों को विशेष रूप से कश्मीर घाटी की ठंडी जलवायु परिस्थितियों में चलने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह ट्रेन अंजी खाद ब्रिज, जो भारत का पहला केबल-स्टेड रेलवे ब्रिज है और चेनाब ब्रिज, जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है, से होकर गुजरती है। नदी से 359 मीटर ऊपर स्थित वास्तुकला का चमत्कार चेनाब रेल ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है।

एएनएम प्रशिक्षण केंद्र में योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। नहटौर जिसमें 21 जून को योग दिवस पर योग वॉलिंटियर्स के रूप में कार्य करने के लिए 125 एएनएम एवं आशा कार्यकर्ताओं को सामूहिक योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर योग ट्रेनर तिलकराम व योग सहायिका हिमानी ने सभी को ताड़ासन, पदहस्त आसन, अर्ध चक्रासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, अर्धुस्त्रासन, भुजंगासन, अनुलोम विलोम, कपालभाति, भ्रामरी आदि का प्रशिक्षण दिया। अनुज कुमारी, गीता, पूजा देवी, साधना चौहान, हिमांशी, ममता देवी, दयावती, उषा देवी, उर्मिला देवी, मोनिका आदि उपस्थित रहीं। संचालन ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर अमित कुमार श्रीवास्तव ने किया। मास्टर योग ट्रेनर तिलकराम ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुसार योग दिवस पर अधिक से अधिक स्थानों पर योग कार्यक्रमों का आयोजन होना है। जिसके लिए एएनएम व आशाओं को योग वॉलिंटियर्स बनाकर उन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

चांदपुर नगर पालिका में योग दिवस 20 जून को पालिका परिषद में मनाया जाएगा

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷। चांदपुर नगर पालिका में सरकार के आदेश अनुसार चांदपुर नगर पालिका में योगाभ्यास किया जा रहा है योग दिवस के मौके पर योग अभ्यास करते हुए योगा टीचर निजामुद्दीन सैफी हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी योगा टीचर निजामुद्दीन सैफी चांदपुर नगर पालिका में सुबह 6:00 से 7:00 बजे तक नगर पालिका स्टाफ के सभी लोगों को वह अन्य बाहर के सभी लोगों को योग कराकर उनको स्वस्थ रहने की सलाह देते हैं योगा टीचर ने बताया कि योग करने से हमारा स्वस्थ सही रहता है अपनी सेहत के लिए हल्का खाना खाना चाहिए और हमें तालि भुनी चीजों का परहेज करना चाहिए ताकि हमारा स्वास्थ्य सही रह सके और रोज सुबह उठकर सभी लोगों को थोड़ा योग करना जरूरी है जिसकी वजह से हम लोग स्वस्थ रहेंगे और हमे कभी बीमारी भी नहीं होंगी ईस मौके पर नगर पालिका के अधिकारी सलीम भाई और फैसल व पालिका के अन्य कर्मचारियों ने योग किया योग करने से हमारे शरीर कि बीमारी दूर होती है और हमारी आयु बढ़ती है और हम लोग हर बीमारी से दूर रहते हैं और हमारे जिस्म में कभी बीमारी नहीं लगेगी और हम लोग स्वस्थ रहेंगे उन्होंने सभी तरह के योग लोगों को सिखाएं और बताया की योग हमारे बुजुर्गों की परंपरा है और हम लोग योग करके अपने आप को सभी बीमारियों से बचा सकते हैं इसकी वजह से हमारी आयु बढ़ती है और और हमारा शरीर स्वस्थ रहता है

रब्बानी अंसारी ने नहटौर बाईपास पर स्टड लाइट लगाईं

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। नौजवान ख़िदमतगार और समाजसेवी बुनकर मजदूर विकास समिति प्रदेश महासचिव रब्बानी अंसारी ने नहटौर बाईपास पर पुलिया पर स्टड लाइटें लगने का जरूरी और नेक काम किया है क्योंकि पुलिया पर ऐसा इलाक़ा है जहां शाम होते ही कुछ दिखाई नहीं पड़ता है और यहां से मुसाफ़िर बाईकों साईकलों और पैदल गुजरते है और दुर्घटनाओं और हादसों का ख़तरा बना रहता है स्टड लाइटें लगने से राहगीरों को यह सहूलियत हो गई है कि उन्हें पता चल जाएगा की सामने कोई गड्डा नहीं है और वो गड्ढों के ख़तरों से बचकर अपना सफ़र मुकम्मल कर सकते हैं याद रहे कि इस समस्या के बारे में रब्बानी अंसारी के कई जगह लिखा पढ़ी की मगर सब बेकार रहा आख़िर में रब्बानी अंसारी ने ख़ुद हिम्मत करके स्टड लाइटें लगने का फ़ैसला लिया और नहटौर बाईपास पर जहां जहां लाइटों की जरूरत थी वहां स्टड लाइटें लगाई जिसकी काफ़ी सराहना और तारीफ़ हो रही है रिफ्लेक्टर लगाने के मौके पर रब्बानी अंसारी के साथ आफ़ताब अंसारी, आमिर अंसारी और फ़ैज़ान अंसारी भी मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा में युवक ने नीम के पेड़ पर फंदा लगाकर की आत्महत्या

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र में कुलेसरा पुश्ता के पास शुक्रवार सुबह एक 22 वर्षीय युवक का शव नीम के पेड़ की डाल से लटका हुआ मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि युवक मजदूरी न मिलने के कारण लंबे समय से परेशान था। थाना ईकोटेक-3 के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडे ने बताया कि सुबह पुलिस को सूचना मिली कि कुलेसरा गांव के पास एक नीम के पेड़ पर युवक का शव फंदे से लटका है।

सड़क दुघर्टना में दो सगे भाइयों की मौत पर परिजनों में मचा कोहराम

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

राष्ट्रीय राजमार्ग 74 पर स्थित गांव जिकरीवाला के समीप बाइक व रोडवेज व बाइक की भिड़ंत में बाइक सवार दो सगे भाइयों की दर्दनाक मौत हो जाने पर परिजनों में कोहराम मच गया।

जबकि बाइक पर सवार दो किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को राहगीरों की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने दोनों भाइयों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया था। वही पुलिस ने मृतक की मां की तहरीर पर रोडवेज बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी।

मृतक के परिजनों का आरोप है। कि एक घायल पुत्र फईम की मौत डाक्टरों की लापरवाही से हुई है। इस मामले उन्होंने उच्च अधिकारियों से कारवाई किये जाने की मांग की है। जबकि शुक्रवार की शाम दोनों सगे भाईयों के शव गांव नाबका में पहुंचने पर परिजनों में कोहराम मच गया। दोनों भाईयों को उनके अपने गांव में स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया।

अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के गांव नाबका निवासी तायरा खातून पत्नी मोहम्मद शाकिर ने बताया कि बृहस्पतिवार की देर शाम साढ़े आठ बजे मेरा पुत्र फईम अहमद उम्र 21 वर्षीय दूसरा पुत्र फरमान अहमद उम्र 19 वर्षीय पोता अल्फेज उम्र 6 वर्षीय पुत्र शाहरुख तथा मेरे भाई मोहम्मद ताहिर का पुत्र अली मलिक निवासी गांव हर्रा ढक्का थाना धामपुर खाना खाने की बात कहकर अपने घर से निकले थे।

जैसे ही उनकी बाइक गांव जिकरीवाला में स्थित उधोवाला कट के समीप पहुंची तो धामपुर की ओर से तेज़ रफ़्तार से आ रही रोडवेज बस उत्तराखंड रुद्रपुर ने लापरवाही से बाइक में टक्कर मार दी। बाइक पर सवार युवक फरमान अहमद उम्र 19 वर्षीय की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि बाइक सवार सवार मोहम्मद फईम,पोता अल्फेज तथा भतीजा अली गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायलों को राहगीरों की मदद से सीएचसी अफजलगढ़ में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान सीएचसी अफजलगढ़ में फईम अहमद उम्र 21 वर्षीय की भी मौत हो गई जबकि अल्फेज तथा अली को प्रार्थमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। वही सड़क दुघर्टना में रोडवेज बस चालक बस लेकर मौके से फरार हो गया। सड़क दुघर्टना में बाइक बुरी तरह से क्षतिग्रश्त हो गए।

वही राहगीरों सहित परिजनों का आरोप है कि डाक्टरों की लापरवाही से सड़क दुघर्टना में घायल फईम अहमद की तड़प तड़प कर मौत हुई है। इस मामले में उन्होंने उच्च अधिकारियों से जांच कर कार्रवाई किये जाने की मांग की है।

जबकि शुक्रवार की देर शाम दोनों सगे भाईयों के शव गांव नाबका में पहुंचने पर परिजनों में कोहराम मच गया। दोनों भाईयों को देर शाम गांव में स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। उधर थानाध्यक्ष सुमित राठी ने बताया कि मृतक युवकों की मां तायरा खातून की तहरीर पर रोडवेज बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

इस अवसर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में नजीबाबाद सपा विधायक हाजी तसलीम अहमद,बढ़ापुर 19 से पूर्व सपा प्रत्याशी कपिल गुर्जर, प्रधान नाबका मुश्ताकीम मलिक, सपा नेता इंजीनियर इकबाल मलिक, मास्टर यामीन अहमद, यासीन बाबू तथा मास्टर नफीस मलिक आदि उपस्थित रहे।

तीन बाइकर्स के ग्रुप में शामिल दो व्यक्ति कैंटर की चपेट में आने से हुए घायल

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

केदारनाथ से यात्रा करते हुए अपने घरों को वापस जा रहे तीन बाइकों के एक ग्रुप की एक बाइक केंटर की चपेट में आने से दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों को एंबुलेंस द्वारा नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना पहुंचाया गया,जहां से प्राथमिक उपचार उपरांत दोनों घायलों को हायर सेंटर बिजनौर रैफर कर दिया गया।

घायलों में एक व्यक्ति की हालत चिंताजनक बनी हुई है,जबकि पुलिस ने केंटर को भी अपने कब्जे में ले लिया।मिली जानकारी के मुताबिक छह व्यक्तियों का एक ग्रुप ग्राम सिकन्दरपुर खागी तहसील गुन्नौर जिला संभल से केदारनाथ धाम की यात्रा पर तीन बाइकों पर सवार होकर घर से निकलें और एक बाइक पर दो-दो व्यक्ति सवार होकर केदारनाथ धाम की यात्रा पूरी कर वापस अपने घर लौट रहे थे।

बाइकों पर सवारों में पुरुषोत्तम (18 वर्ष) पुत्र रामकिशोर, प्रेमपाल (23 वर्ष) पुत्र थानसिंह व दया शंकर (24 वर्ष) अजय (18 वर्ष) पुत्र शिशुपाल, देवेंद्र (18 वर्ष) पुत्र फूल सिंह, महेंद्र (25 वर्ष) पुत्र भूप सिंह निवासीगण ग्राम सिकन्दरपुर खगी तहसील गुन्नौर जिला संभल शामिल है, जब बाइको का यह ग्रुप नेशनल हाईवे फोर लेन से होकर गुजर रहा था, कि सिटी डिग्री कॉलेज के निकट जब उनकी बाइकेँ पहुंची की तभी उनको लगा की वह गलत राश्ते पर घूम गए,जिसके चलते उन्होंने तुरंत ही अपनी बाईकों को वापस घूमना शुरू किया, जिसमें दो बाइक तो सकुशल घूम गई,लेकिन एक बाइक सामने से आ रहे एक केंटर की चपेट में आ गई। जिससे उस बाइक की आमने सामने की टक्कर हो गई।

टक्कर लगने से बाइक पर सवार देवेंद्र व महेंद्र दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से दोनों घायलों को नगीना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां पर घायलों को प्राथमिक उपचार उपरांत उनकी गंभीर हालत के मद्देनजर जिला हॉस्पिटल बिजनौर रैफर कर दिया गया। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने केंटर को अपने कब्जे में ले लिया।

रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष के तहत 105 प्रकरणों को दी जाएगी आर्थिक सहायता

महिला हिंसा पीड़िताओं को मिलेगा न्याय और सहायता- संजीव रंजन, डीएम

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

लिाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष के अंतर्गत हिंसा एवं अत्याचार की शिकार पीड़ित महिलाओं को सहायता राशि स्वीकृत किए जाने के संबंध में कलैक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई।

जिला प्रशासन ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और पुनर्वास के लिए ''रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष'' एक प्रभावी और संवेदनशील माध्यम के रूप में कार्य कर रहा है। बैठक का संचालन जिला प्रोबेशन अधिकारी अजीत कुमार ने किया, उन्होंने कुल 182 प्रकरणों को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया।

इनमें से 80 प्रकरणों को मेडिकल रिपोर्ट के अभाव के कारण अस्वीकृत कर दिया गया। शेष 102 मामलों पर विश्तारपूर्वक चर्चा करते हुए प्रश्तुत दश्तावेजों, धाराओं, मेडिकल रिपोर्ट व पुलिस रिपोर्ट का गहन परीक्षण किया गया। जिलाधिकारी श्री रंजन ने कहा कि ''हर पीड़िता को त्वरित न्याय व सम्मानपूर्वक सहायता देना प्रशासन की प्राथमिकता है।'' उन्होंने समिति को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग पूर्ण संवेदनशीलता के साथ समन्वय कर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

विशेष रूप से तीन ऐसिड अटैक पीड़िताओं के मामलों पर विचार किया गया, जिनमें से सभी मामलों को सहायता के लिए स्वीकृति प्रदान की गई।

इन मामलों में पीड़िताओं की स्थिति, आख्याओं की गंभीरता और राहत की तात्कालिक आवश्यकता को प्राथमिकता दी गई। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि स्वीकृत मामलों में जल्द से जल्द धनराशि संबंधित लाभार्थियों के खातों में अंतरण सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक में एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट, पुलिस अधीक्षक अपराध श्रीमती ममता कुरील, महिला चिकित्सक डॉ. रजनी गुप्ता एवं डॉ. समन जुबैरी सहित अन्य समिति सदस्यगण उपस्थित रहे।

एएमयू में हेल्थ पॉलिसी और सिस्टम रिसर्च रिपोर्ट जारी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज (जेएनएमसी) के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण हेल्थ पॉलिसी एंड सिस्टम्स रिसर्च (एचपीएसआर) रिपोर्ट जारी की गई। यह रिपोर्ट विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. नफीस फैजी द्वारा तैयार की गई है।

ग्रामीण अलीगढ़ में हेल्थ सिस्टम लेंस के उपयोग से स्वास्थ्य प्रणाली की जवाबदेही औरस्वास्थ्य प्रबंधनोंके साथइसकेसंबंधकी समझ शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य प्रणाली की प्रतिक्रियाशीलता से जुड़े अहम निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए हैं। यह शोध हेल्थ सिस्टम्स ट्रांसफॉर्मेशन प्लेटफॉर्म (एचएसटीपी), इंडिया द्वारा दिए गए फेलोशिप ग्रांट के अंतर्गत किया गया। डॉ. नफीस फैजी, जो इस शोध के प्रमुख अन्वेषक और एचपीएसआर फेलो हैं, ने यह अध्ययन मेलबर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के नॉसल इंस्टिट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ के प्रोफेसर सुमित केन और जेएनएमसी के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर एम. अतहर अंसारी के संयुक्त मार्गदर्शन में पूरा किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रोफेसर उज्मा इरम ने रिपोर्ट की सराहना की और आशा व्यक्त की कि इसकी निष्कर्ष और नीतिगत सिफारिशें भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने और स्वास्थ्य नीति अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

सीएम युवा उद्यमी अभियान को गति देने के लिए कमिश्नरी में कार्यशाला आयोजित

- ✷ मण्डलायुक्त ने कार्यशाला का शुभारंभ कर युवाओं को स्वरोजगार स्थापना के लिए किया प्रेरित
- ✷ विभागीय अधिकारियों एवं टैक्निकल एक्सपर्ट ने योजना की दी विस्तृत जानकारी
- ✷ बैंकर्स एवं युवाओं ने सवाल-जबाव कर जिज्ञासाओं का किया समाधान

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ संगीता सिंह की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में सीएम युवा उद्यमी अभियान को गति प्रदान करने के लिए एलडीएम अशोक कुमार सौनी, बैंकर्स एवं विभिन्न योजनाओं में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवाओं के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मण्डलायुक्त द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। मण्डलायुक्त ने कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप में बहुत ऊर्जा है, स्वरोजगार स्थापना कर किसी के यहां नौकरी करने वाले न बनकर नौकरी देने वाले बनें। कोई भी उद्यम आरम्भ करने में दो बातों की आवश्यकता होती है उसके बारे में तकनीकी जानकारी और दूसरी पूंजी।

सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आपको तकनीकी रूप से दक्ष बनाया गया है और सीएम युवा योजना में आपकी पूंजी की समस्या का भी समाधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी और निजी क्षेत्रों में नौकरी के अवसर सीमित हैं, सरकार की योजनाओं के साथ आगे बढ़ें और अपने आप को और देश को विकास की ओर लेकर जाएं।

उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा योजना के बारे में दी जा रही जानकारी को अच्छे से आत्मसात करें ताकि आपको आवेदन करने,

अपने उद्यम को संचालन करने एवं ऋण अदायगी जैसे पहलुओं की पूरी जानकारी हो सके।

उन्होंने बैंकर्स को निर्देशित किया कि यदि किसी अभ्यर्थी ने आवेदन में कोई कमी है तो संबंधित से उसका समाधान कराते हुए उसे लाभान्वित करने पर प्राथमिकता दी जाए। बिना किसी ठोस कारण के किसी युवा का आवेदन निरश्त न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। कार्यशाला का संचालन करते हुए संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेन्द्र कुमार ने बताया कि कार्यशाला में बैंकर्स के साथ ही कौशल विकास मिशन, आईटीआई, ग्राम्य स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवक-युवतियां प्रतिभाग कर रहे हैं। उन्होंने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश का रहने वाला 21 से 40 वर्ष तक का कोई भी कक्षा 08 उत्तीर्ण युवा स्वयं अथवा सीएससी के माध्यम से आवेदन कर सकता है।

योजना में 05 लाख तक का ऋण ब्याजमुक्त ऋण प्रदान किया जाता है और 04 वर्ष तक इकाई के सफल संचालन के उपरांत ऋण में 10 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाती है।

सीएम युवा योजना की समाधान समिति के टैक्निकल एक्सपर्ट मोहित गुप्ता ने छात्र-छात्राओं एवं बैंकर्स को योजना के बारे में बारीकी से जानकारी देते हुए बताया कि योजना में सरकार द्वारा युवा उद्यमियों को सबसे बड़ी राहत यह प्रदान की गई है कि आपको इकाई स्थापना के 06 माह बाद ऋण की किश्त देनी होती है और 04 साल तक इकाई संचालन के उपरांत ऋण में 10 प्रतिशत छूट भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि पीएम स्वनिधि योजना के अतिरिक्त अन्य किसी योजना में ऋण प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी इसमें अपात्र माने जाएंगे।

सामान्य वर्ग के युवाओं को प्रोजेक्ट लागत का 15 प्रतिशत, ओबीसी को 12.5 प्रतिशत एवं एससी-एसटी को 10 प्रतिशत पूंजीगत निवेश स्वयं वहन करना होगा। उन्होंने बताया कि आप आवेदन करते समय पूर्ण सावधानी बरते और परियोजना का विवरण सही से भरें ताकि विभाग एवं बैंकर्स को सही जानकारी प्राप्त हो सके। आप द्वारा किए गये आवेदन पहले जिलाश्तर पर आते हैं और सही पाए जाने पर उनको संबंधित बैंक शाखा को अग्रसारित कर दिया।

एएमयू के शिक्षक ने ब्रिटेन में प्रतिष्ठित डिजिटल ह्यूमैनिटीज सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के अंग्रेजी विभाग के एस. अनस अहमद ने यूनाइटेड किंगडम के ग्लासगो विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड में आयोजित डिजिटल ह्यूमैनिटीज यूके-आयरलैंड वार्षिक सम्मेलन 2025 में एक शोध पत्र प्रश्तुत किया।

'पुनः कल्पित अभिलेखीय पहुंचः भारत और ब्रिटेन के बीच डिजिटल ह्यूमैनिटीज सहयोग' शीर्षक वाले अपने शोध पत्र में अहमद ने उपनिवेश और स्वतंत्रता युग के अभिलेखों की ब्रिटिश अभिलेखागार में सीमित पहुंच की गंभीर चुनौती को रेखांकित किया। उन्होंने एक कम संसाधन आधारित, बहुभाषी डिजिटल ह्यूमैनिटीज ढांचे का प्रश्ताव रखा, जो अनुवाद, कथन और प्रसंगात्मक मेटाडेटा के माध्यम से भारतीय दर्शकों के लिए अभिलेखों की पहुंच को बढ़ाने पर केंद्रित है।

अहमद ने अपने शिक्षण अनुभव और एएमयू में चल रही ग्रासरूट डिजिटल ह्यूमैनिटीज पहलों पर आधारित अपने शोध में न्यूनतम कंप्यूटिंग, बहुभाषीय शिक्षण विधि और समुदाय आधारित सहयोग को समानता आधारित अभिलेखीय पहुंच के लिए अनिवार्य घटक बताया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 15 से अधिक देशों के 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भाग लेने वाले प्रमुख संस्थानों में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, किंग्स कॉलेज लंदन, ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन और एडिनबरा विश्वविद्यालय शामिल थे।

अहमद की इस प्रश्तुति ने वैश्विक श्तर पर अभिलेखीय न्याय, औपनिवेशोत्तर डिजिटल ह्यूमैनिटीज, और ट्रांसनेशनल अकादमिक साझेदारी पर जारी संवाद में सार्थक योगदान दिया। उनकी भागीदारी डिजिटल ह्यूमैनिटीज यूकेदृआयरलैंड अर्ली करियर ग्रांट के माध्यम से संभव हुई।

फायर सर्विस की सेवाएं नाकाफी, आमजन पर मुसीबत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जब अग्निशमन विभाग खुद ही बीमार हो, तब औरों का इलाज भला कैसे कर पाएगा? विभाग के कर्मचारी खुद खतरों से खेल रहे हैं। मौत स्टाफ के सिर पर नाच रही है। जर्जर बिल्डिंग से गिरता प्लास्टर हादसे की कहानी बयां करने को काफी है। सच तो ये है कि आग बुझाने वालों की साख ही दाव पर लगी है, क्योंकि पब्लिक में अग्निशमन से भरोसा कम धोखा ज्यादा मिला है। ऐसे में साख बचाना मुश्किल होगा ही। भरोसा इसलिए भी तार-तार हो रहा है क्योंकि अग्निशमन विभाग की गाडियां मौके पर वक्त पर नहीं आतीं।

अफसर लाचार, विभाग बीमार

आग की घटनाओं पर काबू पाने वाला अग्निशमन विभाग इन दिनों दूसरों की दिक्कतें दूर करने के बजाय अपनी ही समस्याओं में उलझा है। उनका अपना एक दर्द है खुद की बिल्डिंग का। बन्नादेवी क्षेत्र में बनी पुरानी बिल्डिंग का हाल बुरा है। कई बार शासन से बिल्डिंग को जर्जर घोषित कराकर नई बिल्डिंग की मांग की जा चुकी है, मगर परिणाम अभी ढाक के तीन पात ही निकला है। दरकार तो कई फायर स्टेशन खोलने की भी है। मगर इन प्रशतावों को लेकर कोई गंभीर नहीं है।

विभाग ने किया मायूस

जिसके घर या खेत में आग लगती है तो वह सबसे पहली मदद कंटोल रूम से मांगता है ताकि जल्द से जल्द अग्निशमन विभाग की गाड़ी आकर आग पर काबू पा सके और कम से कम नुकसान हो।

मगर हर बार अग्निशमन विभाग से निराशा हाथ लगती है। पुलिस कंटोल रूम पर फोन करने के बाद कभी भी वक्त पर अग्निशमन दल की गाड़ी को वक्त से मौके पर आते नहीं देखा। अग्निकाडों में लोग झुलस रहे हैं, जान गवा रहे हैं। करोड़ों का माल भी फुंक रहा है। जुगाड़ के फेर में रहते विभागीय अधिकारी

कई साल पहले हुई घटनाएं गवाह हैं कि न तो स्कूल के बच्चे आग से सुरक्षित हैं, न फैक्टी के कर्मचारी ही। शहर में कोई बहुमजिला इमारत अगर आग की चपेट में आ जाए तो उसे बुझाने के पर्याप्त ससाधन भी नहीं हैं। अब हालात ये है कि आज भी इन बहुमंजिला इमारतों में आग बुझाने के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। विभागीय अधिकारी सिर्फ जुगाड़ के फेर में रहते हैं।

उपयुक्त संसाधन है और ना हीं पर्याप्त कर्मचारी

अग्नि शमन विभाग आजकल अपनी लाचारी और बेबसी पर आंसू बहाता नजर आता है। विभाग के पास अग्निशमन के लिये न तो उपयुक्त संसाधन है,और ना हीं पर्याप्त कर्मचारी। इसके अलावा इस विभाग में लगे कम्प्यूटर भी नाकाफी है।

हालातों पर गौर किया जाए तो जिले में कहीं पर भी अग्निकाण्ड होता है तो विभागीय कमी और संसाधनों के अभाव में जूझते नजर आते हैं। अभी कुछ समय पूर्व थाना सिविल लाइन क्षेत्र में आग लगने के कारण तीन महिला व दो व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गये थे। वर्षों से भीषण अग्निकाण्डों की वीभित्सका झेल रहे महानगर वासियों को अभी तक सरकारी श्तर पर इस विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की सुविधायें मुहैया नहीं हो पा रही है।

विभाग में संसाधनों की कमी :-

जिले के अग्निशमन विभाग के विभिन्न क्षेत्रों में छह स्टेशन संचालित है। जिसमें बन्नादेवी,पुलिस लाइन,इगलास,गभाना,खैर तथा तालानगरी 14निर्माणाधीन12 हैं। इन स्टेशनों को सही प्रकार से क्रिन्यान्वित करने के लिये लगभग कम्प्यूटर व उनके ऑपरेटरों की आवश्यकता है,जबकि वर्तमान में केवल सात सिस्टम ही विभाग के पास हैं।

उनको भी ऑपरेट करने के लिये फायर कर्मियों को लगाना जाता है। विभाग के पास केवल फायरकर्मी हैं,जबकि आवश्यकता 110 फायरकर्मियों की है।

विभाग के पास अभी तक हाइडोलिक प्लेटफार्म सीड़यिा तक नहीं है। यह 45 फुट ऊंचाई तक कार्य करती है। महानगर में मल्टी स्टोरी बिल्डिगों की सुरक्षा हेतु सीड़यां की आवश्यकता है,जो कि विभाग के पास मौजूद ही नहीं है।

एएमयू के विधि संकाय के स्नातक कैंब्रिज में करेंगे अध्ययन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विधि संकाय के बीएएलएलबी स्नातक ताहा बिन तस्नीम को प्रतिष्ठित शेवनिंग स्कॉलरशिप प्रदान की गई है।

इस छात्रवृत्ति के अंतर्गत वह अब यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज में मास्टर ऑफ लॉज (एलएलएम) का अध्ययन करेंगे। शेवनिंग स्कॉलरशिप यूनाइटेड किंगडम के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) द्वारा संचालित एक पूर्ण-वित्तपोषित अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्ति है, जिसका उद्देश्य वैश्विक श्तर पर नेतृत्व क्षमता वाले युवाओं और बदलाव के अग्रदूतों को तैयार करना है। इस छात्रवृत्ति की गणना विश्व की सबसे प्रतिस्पर्धात्मक अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्तियों में होती है और इसे असाधारण शैक्षणिक योग्यता, नेतृत्व की स्पष्ट क्षमता, और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की मजबूत दृष्टि रखने वाले व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है।

वाटर एटीएम सक्रिय खराब होने पर जल्द से जल्द कराई जाती है मरम्मत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया है कि निगम द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित 8 वाटर एटीएम में से 7 पूर्ण रूप से क्रियाशील हैं।

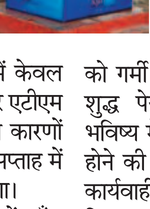

ग्रीष्म ऋतु में नागरिकों को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी वाटर एटीएम को समय रहते क्रियाशील कर दिया गया था। वर्तमान में केवल अतरौली बस अड्डा स्थित वाटर एटीएम का सबमर्सिबल पंप तकनीकी कारणों से बंद है, जिसे आगामी एक सप्ताह में पुनः संचालित कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि नगर में पाँच वाटर एटीएम ऊपरकोट, अचलताल, शमशाद मार्केट, कचहरी एवं कम्पनी बाग के विभिन्न नलकूपों के विद्युत कनेक्शन से संचालित किए जा रहे हैं। जबकि नौरंगाबाद छावनी, अतरौली बस अड्डा एवं तांगा स्टैंड स्थित तीन एटीएम के लिए विद्युत संयोजन के लिए कुल रुपया 2,81,011.00 की धनराशि के बिल प्राप्त हुए हैं, जिनका भुगतान नियमानुसार सुनिश्चित कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा है कि नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों को गर्मी के मौसम में निर्बाध रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। भविष्य में किसी भी एटीएम के खराब होने की स्थिति में त्वरित मरम्मत की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। नगर निगम द्वारा उठाए गए इन कदमों से आमजन को राहत प्राप्त हो रही है और जनस्वास्थ्य की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

संपादकीय

अहमदाबाद विमान दुर्घटना और सोशल मीडिया का घिनौना चेहरा

अहमदाबाद में हुई दुर्घटना में एयर इंडिया विमान के टेकआफ के चंद लम्हों बाद ही रिहायशी इलाके में गिरने से अभी तक 241 यात्रियों और क्रू मेंबर समेत 270 लोगों की जानें जा चुकी हैं। कितने ही घायल गंभीर हैं और मृत्यु का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

तकनीकी कारणों से डीएनए सैंपल जीवित परिवारजनों से मिलाने के काम में विलंब हो रहा है। कितने ही पीड़ित परिवार अंतिम संस्कार के लिए प्रियजनों के शव मिलने का त्रासद इंतज़ार झेल रहे हैं।

देश इस घटना के दंश से उबर भी नहीं पाया कि आपदा को अवसर मानकर व्यूज, लाइक्स और फालोवर्स की तलाश में निर्ममता की हदें पार करने वाले सोशल मीडिया वीर सक्रिय हो गए हैं। दुर्घटना में कोमी व्यास उनके पति प्रतीक जोशी, जुड़वां बेटे प्रद्युत और नकुल, और बेटी मिराया भी दिवंगत हुए हैं। कोमी के भाई कुलदीप भट्ट ने बताया है कि सोशल मीडिया पर उनके दिवंगत परिवारजनों की छेड़छाड़ की गई तस्वीरें और फर्जी वीडियो अपलोड हो रहे हैं। कोमी की फ्लाइट में ली गई सेल्फी को एआई के उपयोग से नकली वीडियो में बदल कर वायरल किया गया है।

उसके नाम और तस्वीरों का गलत इश्तेमाल कर फर्जी अकाउंट बनाए गए हैं। अभी तक डीएनए सैंपल का मिलान नहीं हुआ है मगर लोग एडिटेड वीडियो से बच्चों का अंतिम संस्कार होने का दावा कर रहे हैं। एक अन्य वीडियो में दिखाए जा रहे बच्चों के शव किसी अन्य दुर्घटना से संबंधित हैं। कुलदीप ने विनती की है कि सिर्फ व्यूज, लाइक्स और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए झूठी खबरें और वीडियो फैलाकर उनके दुःखी परिवार को और अधिक मानसिक आघात न दें।

इससे सोशल मीडिया पर चल रहे उस पागलपन का घिनौना चेहरा फिर उजागर हो गया है जहां व्यूज, लाइक्स और फालोवर्स की लालच ने मानवीय संवेदनाओं का गला घोंट रखा है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के मौद्रीकरण के बाद नंबरों का यह खेल पैसा कमाने का साधन बन गया है। ये प्लेटफॉर्म अपलोडेड कंटेंट के बीच विज्ञापन दिखाकर भारी कमाई करते हैं जिसका एक छोटा हिस्सा अपलोड करने वाले को मिलता है। जितने अधिक व्यूज, लाइक्स, शेयर और फालोवर्स उतने अधिक पैसे। सश्ती इंटरनेट ने इस व्यवसाय को पंख लगा दिए हैं। जिसे देखो सुबह से फ्री डेली डाटा लिमिट का खून करने को उतारू दिखता है। माध्यम का उपयोग झूठी जानकारी फैलाने के लिए हो रहा है। आभासी दुनिया से यह लगाव वास्तविकता से दूर कर रहा है जिसके संभावित दुष्परिणाम सोच कर ही झुरझुरी छूटती है।

इस अंधी दौड़ का अंत निकट भविष्य में तो दूर तक दिखाई नहीं देता। तमाम सरकारी कोशिशों के बावजूद सोशल मीडिया की बादशाहत वाली गूगल, मेटा जैसी कंपनियां अपने डाटा सेंटर भारत लाने को तैयार नहीं हैं। पहले फ्री कंटेंट परोसने वाली इन कंपनियों को विज्ञापनों के बाजार से पैसा पीटने का खजाना मिल गया है। इनके हाथों में खेल रहे सोशल मीडिया वीर यह नहीं जानते कि उन्हें मुनाफे का छोटा सा हिस्सा देकर उनसे वह सब कराया जा रहा है जो अपराध और अनैतिकता की श्रेणी में आता है और जिसकी सारी जिम्मेदारी प्लेटफार्म नहीं बल्कि उनकी है। दिवंगत कोमी व्यास उनके पति और बच्चों की तस्वीरों के साथ की जा रही छेड़छाड़ इसकी ताजा बानगी है।

भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत इन माध्यमों के दुरुपयोग रोकने संबंधी प्रावधान हैं। सोशल मीडिया पोस्ट से किसी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाले अपमानजनक या झूठे बयान देने पर 499, 500, धमकी पर 506, निजी जानकारी के खुलासे पर 66ई और अश्लील सामग्री प्रकाशित करने पर 67 जैसी धाराएं लागू होती हैं। आपत्तिजनक पोस्ट के आधार पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने पर 295ए और समुदायों के बीच नफरत फैलाने पर 153ए जैसी अन्य धाराएं भी हैं। मगर इनमें उपलब्ध लूपहोल बच निकलने का राश्ता देते हैं। सरकारें इन प्रावधानों का उपयोग राजनीतिक गुणा भाग के आधार पर प्रचार और विरोध की आवाज दबाने के लिए करने पर ज्यादा तत्पर दिखाई देती हैं।

हर माध्यम के अपने गुण दोष हैं। पृकृति में भी शायद ही ऐसा कुछ है जिससे सदुपयोग और दुरुपयोग की संभावनाएं न जुड़ी हों। सांप का जहरीला विष दवा बनाने में भी प्रयुक्त होता है। सोशल मीडिया संवाद और संचार का बेहद उपयोगी माध्यम है।

सनसनी फैलाने वाला कंटेंट पहले भी था मगर दिवंगत कोमी व्यास दंपति और उनके बच्चों की तस्वीरों से छेड़छाड़ कर परोसा गया झूठ बताता है कि मौद्रीकरण के बाद पैसे कमाने के लिए व्यूज लाइक्स शेयर सब्सक्राइब की अंधी दौड़ ने इसे अमानवीयता का कितना घिनौना चेहरा पहना दिया है।

सरकारों द्वारा प्रचार और राजनीतिक फायदे के लिए सोशल मीडिया की ताकत पर निर्भरता किसी से छिपी नहीं है। कानून कड़ाई से लागू करने की राह में और भी कई तकनीकी समस्याएं हैं। इसलिए सरकारी श्तर पर कोई सख्त कार्रवाई मृगतृष्णा साबित हो सकती है।

सहज और सरल उपाय यही है कि लोग अपने श्तर पर ही ऐसे दुष्प्रचार और गलतबयानी पर लगाम लगाएं। सनसनीखेज पोस्ट के प्रचार-प्रसार में सहयोगी न बनें।

इसी मीडिया पर फैक्ट चैक के विकल्प उपलब्ध हैं उनका प्रयोग करें। याद रखें, किसी झूठी पोस्ट पर आपकी एक क्लिक गहन मानसिक अवसाद से गुजर रहे व्यक्ति या परिवार की पीड़ा और बढ़ा सकती है।

न थल सुरक्षित न नभः दावे परिवहन क्रांति के?

निर्मल रानी

भारत सरकार के परिवहन सम्बन्धी सभी मंत्रालय अपने अपने क्षेत्रों में उठाये गये क़दमों को परिवहन क्रांति के रूप में प्रचारित करते हैं। सड़क, रेल, जलमार्ग, और हवाई यातायात आदि का कोई क्षेत्र ऐसा नहीं जिसमें सरकार अपनी पीठ थपथपाने से बाज़ आती हो। कभी रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण की बातें होती हैं तो कभी जलमार्ग और हवाई यातायात नेटवर्क को बढ़ाने के लिए नई नीतियां बनाये जाने की ख़बरें प्रकाश में आती हैं।

हवाई क्षेत्र में भारत को दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते विमानन बाज़ारों में से एक माना जा रहा है। वैश्विक श्तर पर भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के मक़सद से सरकार द्वारा राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति के अंतर्गत लॉजिस्टिक्स लागत को 16% से घटाकर 2025 तक 9% करने का लक्ष्य भी रखा गया है। सरकार द्वारा इन उपलब्धियों को पी आई बी इण्डिया में इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति के रूप में प्रश्तुत किया जाता है।

तो क्या सरकार ऐसे प्रचार की आड़ में वाश्तविक चुनौतियों को छुपाने व जनसाधारण से जुड़ी अनेक समस्याओं व सुरक्षा चुनौतियों पर पर्दा डालने का काम करती है?

यदि हम सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या की ही बात करें तो यह औसतन लगभग 1.5 लाख प्रतिवर्ष है। जहाँ तक निर्माण की गुणवत्ता का प्रश्न है तो यह किसी से छुपा नहीं है। घटिया व कमज़ोर सड़क निर्माण को लेकर तो पूरे विश्व में गोया भारत का डंकाबजता है। सड़कों पर गड्ढे, उद्घाटन से पहले या उद्घाटन के कुछ ही समय बाद देश में कहीं सड़क टूट रही है तो कहीं बड़े बड़े पुल धराशायी हो जाते हैं। जबकि परियोजनाओं में देरी और लागत बढ़ने की शिकायतें भी सामने आती रहती हैं। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच अभी भी ज़रूरत के अनुसार नहीं है।

सरकार निश्चित रूप से परिवहन क्षेत्र में प्रगति की बात करती है और इसे अपनी उपलब्धि के रूप में विज्ञापनों व मंत्रियों अथवा पार्टी नेताओं के आलेखों के माध्यम से पेश करती है, लेकिन यह पीठ थपथपाना पूरी तरह से संतुलित नहीं हो सकता। प्रगति तो हुई है, पर कई क्षेत्रों में अभी भी काफ़ी सुधार की आवश्यकता है ख़ास तौर पर सड़क यात्रियों की सुरक्षा को लेकर।

सड़कों पर खुले आम घूमते आवारा पशु और गड्ढेदार सड़कें मौत को दावत देती हैं। बेशक सरकार की नीतियां और निवेश के चलते परिवहन क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है, लेकिन भ्रष्टाचार से डूबा निर्माण और इसी के परिणाम स्वरूप सड़क परिवहन में असुरक्षा जैसी चुनौती भी बनी हुई हैं।

केवल सड़क मार्ग ही नहीं बल्कि रेल मार्ग परिवहन व्यवस्था में भी यात्रियों की सुरक्षा की कोई गारंटी दिखाई नहीं देती। अभी कुछ दिन पहले ही 9 जून 2025 को मुंबई के ठाणे में मुंब्रा और दीवा रेलवे स्टेशनों के बीच एक लोकल ट्रेन में अत्यधिक भीड़ होने के कारण कई यात्री ट्रेन के दरवाज़ों पर लटक कर यात्रा कर रहे थे। वैसे भी लोकल ट्रेन यात्रा का यह आम दृश्य है।

इस दौरान, कुछ यात्रियों के पीठ पर लटके बैग दूसरी दिशा से आ रही एक अन्य ट्रेन से टकराए, जिसके कारण कई यात्री ट्रेन से गिर गए। इस हादसे में 5 यात्रियों की मौक़े पर ही मृत्यु हो गई जबकि 4 अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हुए। ख़बरों के अनुसार रेलवे बोर्ड ने इस हादसे के बाद मुंबई की सभी लोकल ट्रेनों

में ऑटोमैटिक डोर क्लोज़र सिस्टम लगाने का फ़ैसला किया ताकि भविष्य में यात्रियों का दरवाजों पर लटकना रोका जा सके। सवाल यह है कि क्या हादसों के बाद ही सरकार को ऐसे सुरक्षा उपाय करने की चेतना जागृत होती है? इसी तरह 22 जनवरी 2025 को महाराष्ट्र के जलगांव ज़लि में परधाडे गाँव के पास माहेजी रेलवे स्टेशन पर लखनऊ से मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस में ट्रेन में आग लगने की अफ़वाह के कारण एक दुखद हादसा हुआ। यह अफ़वाह इतनी तेज़ी से फैली कि यात्रियों में दहशत मच गई, और कई यात्री चलती ट्रेन से कूद गए।

दुर्भाग्यवश, उसी समय साथ के दूसरे ट्रैक से कर्नाटक एक्सप्रेस तेज़ गति से गुज़र रही थी, जिसने पटरियों पर कूदे हुए यात्रियों को कुचल दिया। इस हादसे में 14 यात्रियों के मरने की ख़बर आई थी। इसी तरह 2023 में ओडिशा के बालासोर में हुए हादसे में 290 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी। आये दिन होने वाले ऐसे अनेक ट्रेन हादसे रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करते हैं।

यह तो रही थलीय परिवहन की बातें। इसी तरह नभ परिवहन अर्थात हवाई यातायात के क्षेत्र में भी यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंताजनक स्थिति के दृश्य पिछले दिनों देखने को मिले। सबसे दर्दनाक हादसा 12 जून 2025 को गुजरात के अहमदाबाद में हुआ। यहाँ एयर इंडिया की फ़्लाइट AI-171 का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान जो अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए उड़ान भर रहा था, टेकऑफ़ के कुछ ही सेकेंडों बाद क्रैश हो गया।

इसे भारतीय विमानन इतिहास के सबसे भयावह हादसों में से एक माना जा रहा है। इस में 230 यात्री और 12 चालक दल के सदस्यों सहित कुल 242 लोग सवार थे। जिनमें एक यात्री के अतिरिक्त शेष सभी की मौत हो गई। चूँकि यह विमान हवाई अड्डे के साथ लगते बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल पर जा गिरा इस वजह से कॉलेज की इमारत का भी काफ़ी बड़ा हिस्सा क्षतिग्रश्त हो गया। यहाँ भी कम से कम 5 एमबीबीएस छात्र, एक पीजी रेजिडेंट डॉक्टर, और एक सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर की पत्नी की मृत्यु हुई। इसके अलावा 60 से अधिक मेडिकल छात्र घायल भी हुए।

अभी यह ख़बर चर्चा में ही थी कि 15 जून 2025 को उत्तराखंड के केदारनाथ धाम के पास गौरीकुंड क्षेत्र में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना भी हो गयी। इसमें पायलट सहित सात लोगों की मृत्यु हो गई।

आर्यन एविएशन कंपनी का यह हेलीकॉप्टर केदारनाथ मंदिर से श्रद्धालुओं को लेकर गुप्तकाशी बेस की तरफ़ वापस आ रहा था। प्रारंभिक जांच में ख़राब मौसम और कम दृश्यता को हादसे का प्रमुख कारण माना जा रहा है। यह एक 7-सीटर बेल (Bell-VT-QXF) हेलीकॉप्टर था जिसे अहमदाबाद, गुजरात की एरोटांस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी संचालित कर रही थी। इस हेलीकॉप्टर दुर्घटना ने श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में भय पैदा किया है, और हेलीकॉप्टर सेवाओं पर लोगों का भरोसा कम हुआ है।

कहने को तो हवाई यातायात सबसे सुरक्षित परिवहन सेवाओं में माने जाते हैं परन्तु हाल के दिनों में हुये हादसे इन धारणाओं पर सवाल खड़ा करते हैं। लिहाज़ा कहना ग़लत नहीं होगा कि सरकार द्वारा लाख परिवहन क्रांति के दावे क्यों न किये जा रहे हों परन्तु हक़ीक़त तो यही है कि आज न तो थल परिवहन सुरक्षित है न ही नभ परिवहन।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पीएम की दो टूक

अब भारत और उसके प्रधानमंत्री मोदी को यह मुद्दा दफन ही कर देना चाहिए। विपक्ष को भी समझना चाहिए कि यह राष्ट्रहित का मुद्दा नहीं है। विपक्ष को इस संदर्भ में मजाकिया टिप्पणियां करने से भी बाज आना चाहिए।

सत्ता में आने का उसे भी मौका मिलेगा, तब भी अमरीकी राष्ट्रपति का यही रवैया रहा, तो क्या करेंगे? हमें यह इसलिए कहना पड़ रहा है, क्योंकि फोन पर प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की 35 मिनट लंबी बातचीत होने के बावजूद अमरीकी राष्ट्रपति वही पुराना, घिसा-पिटा राग अलाप रहे हैं।

बेशक ट्रंप दुनिया की सबसे ताकतवर और संपन्न महाशक्ति के निर्वाचित राष्ट्रपति हैं, तो नरेंद्र मोदी भी सबसे अधिक आबादी, सबसे तेज विकसित होती अर्थव्यवस्था और दुनिया के सबसे व्यापक बाजार भारत के निर्वाचित प्रधानमंत्री हैं। भारत की अपनी संप्रभुता, सुरक्षा, सोच और क्षेत्रीय अखंडता है।

जब प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र पति ट्रंप को दो टूक समझा दिया कि भारत न तो मध्यस्थता स्वीकार करता है, न भारत-पाक संघर्ष को रोकने में किसी की मध्यस्थता स्वीकार की है और न ही कभी मध्यस्थता स्वीकार करेगा, तो फिर राष्ट्रपति ट्रंप को कौनसी भाषा समझ में आती है? दरअसल हम भारतीय महानतम चाणक्य की संतति हैं, भाषा के मर्म और संस्कारों को अच्छी तरह समझते हैं।

हम किसी राष्ट्राध्यक्ष अथवा प्रधानमंत्री से इस भाषा में नहीं बोल सकते कि ट्रंप 'झूठा' है, गलत बोल रहा है। हमारी कूटनीति की संस्कारी भाषा यही है, जो प्रधानमंत्री मोदी ने अभिव्यक्त की है। दिलचस्प यह है कि

फोनिक संवाद के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने, कनाडा से वापसी करते हुए, अमरीका आने का आमंत्रण दिया, जिस पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने असमर्थता जता दी।

राष्ट्रपति ट्रंप से एक मुलाकात और बातचीत के लिए राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री कतार लगाए प्रतीक्षारत हैं, लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री इस न्योते को अस्वीकार करने का साहस दिखा सके, यही भारत की ताकत और हैसियत है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' और पाकपरश्त आतंकवाद पर राष्ट्रपति ट्रंप को खुलासा करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि गिड़गिड़ाते पाकिश्तान के डीजीएमओ ने बातचीत और संघर्षविराम की गुहार लगाई थी, जिस पर भारत के ही डीजीएमओ ने सैन्य कार्रवाई स्थगित करने की सहमति जताई थी।

गौरतलब तो यह है कि पहलगाम नरसंहार की तारीख 22 अप्रैल के बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच पहली बार फोनिक बातचीत अब हुई है, तो मध्यस्थता के लिए किससे आग्रह किया गया था?

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद भारत के लिए 'प्रॉक्सी वॉर' नहीं, बल्कि युद्ध है और हम भविष्य में आतंकवाद से इसी आधार पर निपटेंगे।

हमारा मानना है कि ट्रंप को यह समझ आ गया होगा! यदि फिर भी वह पुराना राग अलापते रहना चाहते हैं और पाकिश्तान को अमरीका का 'भरोसेमंद साझेदार' मानना चाहते हैं, तो यह उनकी इच्छा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' में पाकिश्तान के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनरो को लंच का आतिथ्य पेश किया है, तो यह अमरीका की कूटनीतिक, व्यापारिक और सामरिक विवशता हो सकती है। यदि अमरीका को ईरान पर हमला करना है, तो उसे पाकिश्तान के एयरबेस और हवाई क्षेत्र की जरूरत पड़ेगी। ईरान के साथ पाकिश्तान की 900 किमी लंबी सीमा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि नूरखान एयरबेस, जिसे भारत के हवाई हमलों ने तबाह कर दिया था, अमरीकी नियंत्रण में है। वहां पाकिश्तान के जनरल भी फटक नहीं सकते। बहरहाल उसकी मरम्मत कराई जा रही है। इसके अलावा, अमरीका की नजर पाकिश्तान के खनिज संसाधनों पर है।

अमरीका ने क्रिप्टो करेंसी का मुख्यालय पाकिश्तान को बनाना तय किया है। वहां राष्ट्रपति ट्रंप के सुपुत्र और दामाद यह धंधा संभालेंगे।

बहरहाल देश को प्रधानमंत्री, विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के बयानों को स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि वे ही भारत सरकार हैं। अब सब कुछ कहने-सुनने को संसद सत्र का इंतजार करना चाहिए।

ईरान-इजरायल जंग- तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर दुनिया...?

दुनिया के मध्य पूर्व में हालात ठीक नहीं है, ईरान और इजरायल के बीच जंग शुरू हो गई है, जिन्हें विश्व की महान शक्तियों का समर्थन प्राप्त है, इस जंग में फिलहाल रूस तो खुलकर सामने नहीं आया है, किंतु अमेरिकी राष्ट्रपति खुलकर सामने आ गए हैं और निशाने पर तेहरान है और वहां के सुप्रीम लीडर जो भूमिगत हो चुके हैं, उनके बारे में ट्रंप ने कहा है कि उन्हें पता है वह कहां छुपे हैं और इस कारण उन्हें कभी भी मारा जा सकता है, इसराइल के निशाने पर ईरान के सैन्य ठिकाने हैं, इधर भूमिगत हो चुके नेता खामनेही ने स्पष्ट कर दिया है कि उनका देश इसराइल से समझौते को कतई तैयार नहीं है अब आर-पार की ही लड़ाई होगी और इस युद्ध का परिणाम ही वर्चस्व का भविष्य तय करेगा।

दुनिया के शक्तिशाली देशों के टकराव के बीच पश्चिमी देशों में 80 साल बाद फिर विश्व युद्ध के आसार पैदा कर रहा है, इसकी मुख्य वजह रूस अमेरिका दोनों ही देशों में परमाणु हथियारों की बढ़त है और इस कठिन परिस्थिति में संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी अपनी अहम भूमिका निभाने से इनकार कर दिया है। इस कारण अपने आप को सर्वोच्च शक्तिमान समझने वाले देश अपनी मनमानी पर उतर आए हैं, जबकि दूसरे विश्व युद्ध की यादें आज भी ताजा है, फ्रांस जर्मनी और ब्रिटेन के 60 फ़ीसदी से ज्यादा लोग इस युद्ध के बारे में अधिकतम जानकारी रखते हैं, जबकि स्पेन में यह आंकड़ा केवल 40 फीसदी तक ही सीमित है।

इस प्रकार कुल मिलाकर विश्व के मौजूदा हालातो में इस्लामी आतंकवाद का भी खतरा बढ़ गया है, इससे जुड़े एक सर्वेक्षण में पश्चिमी यूरोप के 82% और अमेरिका के 69% लोगों ने रूस के साथ तनाव को सबसे बड़ा खतरा बताया है, लोग मानते हैं कि रूस की सैन्य गतिविधियां और उसकी परमाणु क्षमता वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा है, रूस के अलावा इस्लामीक आतंकवाद को भी बड़ा खतरा बताया जा रहा है।

इसके साथ ही संभावित तीसरे विश्व युद्ध में विभिन्न देशों की स्थितियों पर भी गंभीर चिंतन शुरू हो गया है, वैसे रूस के राष्ट्रपति पुतिन इस समय यूक्रेन में नाटो देशों के दखल से बेहद खफा है। पुतिन का कहना है कि नाटो का हश्तक्षेप मूल सभ्यता के विनाश का कारण बन सकता है, पिछले साल मई 2024 में विमित्री देव ने परमाणु युद्ध की चेतावनी दी थी।

अगर रूस के इस हमले को नाटो की चुनौती मानता है तो पुतिन अनकहा, अनदेखा और अनचाहा भी कर सकते हैं, इस आशंका को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और वहां के कई रणनीतिकार बता चुके हैं, इसलिए ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यह संघर्ष तीसरे विश्व युद्ध में बदल सकता है जो कि अभी तक यह काल्पनिक है, अगर मौजूदा हालात के हिसाब से ही देखें तो दुनिया के शक्तिशाली देश कई समूहों में बट सकते हैं।

इस प्रकार कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि दुनिया के हालात अभी ठीक नहीं है और विशेष चिंता भारत जैसे देशों की है, जिन्होंने तटस्थता की नीति अपना रखी है, इसीलिए मोदी जी अपने विदेश यात्राओं के दौरान शांतिपूर्ण माहौल की चर्चा कर रहे हैं, जैसा उन्होंने जी-7 की बैठक में किया।

इजराईल - ईरान युद्ध में भारत निभा सकता है अहम भूमिका

प्रहलाद सबनानी

रूस - यूक्रेन एवं इजराईल - हम्मास के बीच युद्ध अभी समाप्त भी नहीं हुआ है और तीसरे मोर्चे इजराईल - ईरान के बीच भी युद्ध प्रारम्भ हो गया है। हालांकि इस बीच भारत - पाकिश्तान के बीच भी युद्ध छिड़ गया था परंतु भारत की बड़े भाई की भूमिका के चलते इस युद्ध को शीघ्रता से समाप्त करने में सफलता मिल गई थी।

दो देशों के बीच युद्ध में किसी एक देश का फायदा नहीं होकर बल्कि दोनों ही देशों का नुक्सान ही होता है। परंतु, आवेश में आकर कई बार दो बड़े देश भी आपस में टकरा जाते हैं एवं इन दोनों देशों के पक्ष एवं विपक्ष में कुछ देश खड़े हो जाते हैं जिससे कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित हो जाती हैं कि विश्व युद्ध छिड़ जाते हैं।

वर्ष 1914 से वर्ष 1918 के बीच प्रथम विश्व युद्ध एवं वर्ष 1939 से वर्ष 1945 के बीच द्वितीय विश्व युद्ध इसके उदाहरण हैं। इजराईल - ईरान के बीच हाल ही में प्रारम्भ हुए युद्ध में अमेरिका भी कूदने की तैयारी करता हुआ दिखाई दे रहा है। अगर ऐसा होता है तो बहुत सम्भव है कि ईरान की सहायता के लिए रूस एवं चीन भी इस युद्ध में कूद पड़ें एवं यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का स्वरूप ले ले।

ऐसा कहा जा रहा है कि इजराईल एवं अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन करवाना चाह रहे हैं ताकि ईरान में उनके हितों को साधने वाली सरकार स्थापित हो सके।

वैश्विक श्तर पर आज परिस्थितियां बहुत सहज रूप से नहीं चल रही है। विभिन्न देशों के बीच विश्वास की कमी हो गई है जिसके चलते छोटे छोटे मुद्दों को तूल दी जाकर आपस में खटास पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। कुछ देश, दो देशों के बीच, इन मुद्दों को हवा देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जैसे आतंकवाद के मुद्दे को ही लें, यदि ये देश आतंकवाद से स्वयं ग्रसित हैं तो इनके लिए आतंकवाद बुराई की जड़ है और यदि कोई अन्य देश आतंकवाद को लम्बे समय से झेल रहा है तो इन देशों के लिए आतंकवाद कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है।

बल्कि, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को प्रोत्साहन दिया जाता हुआ दिखाई दे रहा है। चौधरी बन रहे कुछ देश अपनी विश्तरवादी नीतियों के चलते कई देशों में अपने हित साधने वाली सरकारों की स्थापना करना चाह रहे हैं एवं इन देशों में इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित करने के प्रयास कर रहे हैं ताकि ये देश आपस में लड़ाई प्रारम्भ करें। रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध इसका जीता जागता उदाहरण है। साथ ही, कुछ देशों की कथनी और करनी में पाए जाने वाले फर्क के चलते भी वैश्विक श्तर पर परिस्थितियां बिगड़ रही हैं।

चौधरी बन रहे देशों को तो उदाहरण पेश करते हुए अपनी कथनी एवं करनी में फर्क को समाप्त करना ही होगा। अन्यथा, वैश्विक श्तर पर परिस्थितियां भयावह श्तर तक पहुंच सकती हैं।

चूंकि इजराईल भी आतंकवाद से पीड़ित देश है एवं इजराईल की सीमाएं चार मुस्लिम राष्ट्रों से जुड़ी हुई हैं; यथा, उत्तर में लेबनान, दक्षिण पश्चिम में ईजिप्ट (एवं गाजा), पूर्व में जॉर्डन (एवं वेस्ट बैंक) एवं उत्तर पूर्व में सीरिया। अतः इजराईल अत्यधिक आक्रात्मकता के साथ आतंकवादियों (हम्मास एवं हूथी आदि संगठनों) से युद्ध करता रहता है। इस्लाम के अनुयायी यहूदियों के कट्टर दुश्मन हैं, इसके चलते भी इजराईल के नागरिकों को आतंकवाद को लम्बे समय से झेलना पड़ रहा है।

ईरान के बारे में तो कहा जा रहा है कि ईरान स्थित लगभग 60 प्रतिशत मस्जिदों में इबादत के लिए कोई भी व्यक्ति पहुंच ही नहीं रहा है क्योंकि ईरान में एवं ईरान द्वारा पड़ौसी देशों में फैलाए गए आतंकवाद से ईरान के मूल नागरिक अत्यधिक परेशान हैं। महिलाओं पर आतंकवादियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों से स्थानीय नागरिक बहुत दुखी हैं।

अतः अब वे अपने पुराने धर्म जोरोस्ट्रीयन को अपनाने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं अथवा इस्लाम धर्म का परित्याग करना चाह रहे हैं। जोरोस्ट्रीयन, ईरान का मूल धर्म हैं एवं यह अब ईरान के कुछ (बहुत कम) क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है। भारत में भी जोरोस्ट्रीयन धर्म को मानने वाले पारसी समुदाय के कुछ नागरिक शांतिपूर्वक रह रहे हैं एवं भारत के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं।

वैश्विक श्तर पर निर्मित हो रही उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत की विशेष भूमिका रह सकती है क्योंकि भारत के इजराईल एवं ईरान दोनों ही देशों के साथ आर्थिक रिश्ते बहुत मजबूत हैं। भारत, ईरान से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता रहा है एवं भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारी आर्थिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान की है।

चाबहार बंदरगाह का संचालन भी ईरान की सरकार के साथ भारतीय इंजीनियरों द्वारा ही किया जा रहा है। भारत और ईरान के बीच प्रतिवर्ष 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है। दूसरी ओर, इजराईल भारत का रणनीतिक साझीदार है। भारत इजराईल से भारी मात्रा में सुरक्षा उपकरण भी खरीदता है।

भारत और इजराईल के बीच प्रतिवर्ष 650 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है, इसमें भारत द्वारा इजराईल से आयात किये जाने वाले सुरक्षा उपकरणों की राशि शामिल नहीं है। कुल मिलाकर, भारत के इजराईल एवं ईरान, दोनों देशों के साथ बहुत पुराने व्यापारिक एवं सांस्कृतिक रिश्ते हैं।

भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में "वसुधैव कुटुम्बकम"; "सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय" एवं "सर्वे भवंतु सुखिनः" की भावना पर विश्वास किया जाता है। अतः भारतीय नागरिक सामान्यतः शांत स्वभाव के होते है एवं पूरे विश्व में ही भ्रातत्व के भाव का संचार करते हैं। आज 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विभिन्न देशों के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। इन देशों में होने वाले अपराधों में भारतीय मूल के नागरिकों की संलिप्तता लगभग नहीं के बराबर पाई गई है।

इसी कारण के चलते आज वियतनाम, जापान, इजराईल, आस्ट्रेलिया एवं सिंगापुर जैसे कई देश भारतीय मूल के नागरिकों को अपने देश में कार्य करने एवं बसाने में सहायता करते हुए दिखाई दे रहे हैं। खाड़ी के देश यथा ओमान, बहरीन, सऊदी अरब, यूनाइटेड अरब अमीरात आदि में भी लाखों की संख्या में भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं शांतिप्रिय जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

कुल मिलाकर, विभिन्न देशों में निवासरत भारतीय मूल के नागरिकों का रिकार्ड बहुत ही संतोषजनक पाया जाता है, क्योंकि, भारतीयों की मूल प्रकृति ही सनातन हिंदू संस्कारों के अनुरूप पाई जाती है एवं वे किसी भी प्रकार के कर्म में धर्म को जोड़कर ही इसे सम्पन्न करने का प्रयास करते हैं। और, धर्म के अनुरूप किये गए किसी भी कार्य से किसी का अहित हो ही नहीं सकता।

उक्त वर्णित परिप्रेक्ष्य में वैश्विक श्तर पर जब चौधरी बन रहे देशों द्वारा अन्य देशों के साथ न्याय नहीं किया जाता हुआ दिखाई दे रहा है तो ऐसे में भारत को आगे आकर युद्ध में झौंके जा रहे देशों के नागरिकों की मदद करनी चाहिए। भारत की तो वैसे भी नीति ही "वसुधैव कुटुम्बकम" की है। यदि पूरे विश्व में भाईचारा फैलाना है तो सनातन हिंदू संस्कृति के अनुपालन से ही यह सब सम्भव हो सकता है।

उक्त परिस्थितियों के बीच सनातन हिंदू संस्कृति की स्वीकार्यता विभिन्न देशों के नागरिकों की बीच तेजी से बढ़ भी रही है क्योंकि कई देश अब आतंकवाद से बहुत अधिक परेशान हो चुके हैं। अतः अब वे किसी तीसरे राश्ते की तलाश में हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच उनके पास अब विकल्प केवल सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को अपनाने का ही बचता है, जिसके प्रति वे लालायित भी हैं।

और फिर, आतंकवाद से यदि छुटकारा पाना है तो इससे लड़ते हुए छुटकारा पाने में तो कुछ देशों को कई प्रकार के बलिदान देने पड़ सकते हैं और यदि सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को स्वीकार कर लिया जाता है तो कई देशों के नागरिकों को इस बलिदान से बचाया जा सकता है। अतः विश्व के देशों में सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को तेजी से वहां के स्थानीय नागरिकों के बीच किस प्रकार फैलाया जा सकता है, इस विषय पर विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से अब गहन चिंतन एवं मनन करने की आवश्यकता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

एक क्लिक से खुलेगा बंदियों का आपराधिक इतिहास, ऑनलाइन डेटा फीडिंग शुरू

गुगरापुर(कन्नौज) , एजेंसी। अब अपराधियों का रिकार्ड खंगालने के लिए रजिस्टर पलटने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। एक क्लिक पर बंदी का पूरा आपराधिक इतिहास निकल कर सामने आ जाएगा। इससे पुलिस और जेल प्रशासन को काफी सुविधा मिलेगी। जिला जेल में अपराधियों का डेटा ऑनलाइन फीडिंग की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

वर्ष 1980 में नाम, पिता का नाम, निवास, पहचान चिन्ह आदि लिखे जाते थे और अपराधियों का केवल अंगूठे का निशान लगता था। वर्ष 1990 के बाद ब्लैक एंड व्हाइट फोटो लगना शुरू हुआ। बाद में अपराधियों की पहचान, उनके नाम-पता सब लिखा जाने लगा था। अब पिछले कई साल से अपराधियों का रंगीन फोटो रजिस्टर पर चस्पा हो रहा है। उनका पूरा हुलिया और नाम पता सब कुछ दर्ज होता है, लेकिन यह रिकार्ड ऑनलाइन नहीं होता था। जेल में ज्यादा रिकार्ड एकत्र हो जाने की वजह से पिछला रिकार्ड हटा दिया जाता था। जब कभी पुराने रिकार्ड की आवश्यकता पड़ती है तो जेल प्रशासन को खोजबीन में काफी परेशानी होती है। अब ऐसा नहीं होगा। क्योंकि जेल प्रशासन द्वारा जेल के सभी अपराधियों का डाटा ऑनलाइन अपलोड कराया जा रहा है। इससे एक क्लिक से ही किसी भी अपराधी का पूरा आपराधिक इतिहास खुलकर सामने आ जाएगा। इससे पुलिस व जेल प्रशासन को काफी राहत मिलेगी। जेल में इस समय करीब 526 बंदी और कैदी हैं। अब तक जो बंदी जेल आ रहे थे या आ रहे हैं और अपनी जमानत करवा कर बाहर जा रहे हैं, उनका सारा रिकार्ड रजिस्टर पर दर्ज किया जाता है। अब जेल प्रशासन द्वारा अपराधियों का डाटा ऑनलाइन अपलोड कराया जा रहा है। इसमें अपराधी का रंगीन फोटो, अंगूठा निशानी, हुलिया, नाम पता सबकुछ ऑनलाइन हो जाएगा, जिसे कभी भी कहीं से भी देखा जा सकता है। अपराधी के खिलाफ कितने मुकदमे दर्ज हैं, वह कब तक जेल में रहा, कब जमानत हुई। सारा रिकार्ड एक क्लिक पर प्राप्त हो जाएगा।

दुर्घटना बाहुल्य चकलवंशी चौराहे को चौड़ा करने का काम शुरू

उन्नाव , एजेंसी। चकलवंशी। जाम से निजात दिलाने के लिए दुर्घटना बाहुल्य स्थल में चिह्नित चकलवंशी चौराहे की चौड़ाई बढ़ाने का काम शुरू हो गया है। गुरुवार को चौराहे के पास एक तरफ की पटरी की खोदाई शुरू करा दी गई। इससे जाम की स्थिति बनी रही। उन्नाव-हरदोई मार्ग पर पड़ने वाला चकलवंशी चौराहा काफी व्यस्त रहता है। इस चौराहे से हरदोई, उन्नाव, कानपुर, लखनऊ आने-जाने के लिए प्रतिदिन सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। चौराहा छोटा होने के कारण अक्सर जाम की स्थिति रहती है। पूर्व में लोक निर्माण विभाग ने चौराहा बड़ा कर चारों मार्गों को चौड़ा करने का प्रस्ताव भेजा था। मंजूरी मिलने के बाद गुरुवा से काम शुरू हुआ।। लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड के एक्सईएन सुबोध कुमार के मुताबिक, चौराहे से परियर, उन्नाव, हरदोई और संडीला मार्ग की ओर चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। परियर मार्ग को 20 मीटर व अन्य तीन मार्गों की तरफ 26-26 मीटर चौड़ा किया जाना है। इसके साथ ही चौराहे पर दुर्घटना रोकने के कई अन्य कार्य कराए जाएंगे।

ट्रक के पीछे टकराई कार, चालक समेत चार घायल

तालग्राम , एजेंसी। सुल्तानपुर जाते समय कार चालक को झपकी आने के कारण अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर ट्रक के पीछे जा घुसी। हादसे में चालक समेत चार लोग घायल हो गए। चालक ट्रक समेत भाग जाने में सफल रहा। यूपीडा और एटलस गश्त दल ने घायलों को अस्पताल भेजा।

राजस्थान के जिला टोंक के थाना पचबेल बरौल निवासी राकेश कुमार (30) कार से सुल्तानपुर जा रहे थे। साथ में दिलखुश (25), शारतलराम रौनी (30) और थाना नुक्कड़ डिग्गी निवासी कोमल दुबे (25) भी थीं।

आजमगढ़ आतंक का नहीं अदम्य साहस का गढ़

लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण कर बोले सीएम योगी

आजमगढ़ , एजेंसी। सीएम योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को आजमगढ़ पहुंचे। उन्होंने सलारपुर में आयोजित कार्यक्रम में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया। जनसभा स्थल पर नंद गोपाल नंदी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद सीएम ने लोकार्पण कर जनता को संबोधित किया। कहा कि अब आजमगढ़ आतंक का गढ़ नहीं अदम्य साहस का गढ़ बन गया है।

सीएम योगी ने कहा कि वीर कुंवर सिंह ने 1857 में लड़ी आजादी की लड़ाई अगर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होता रोड कनेक्टिविटी तेज होती तो तभी आजमगढ़ के साथ पूरा देश आजाद होता। कहा कि जाति के नाम पर राजनीति करने वाले पूर्वांचल में सिर्फ वोट मांगने आते थे, आज प्रयागराज में गंगा एक्सप्रेसवे को सोनभद्र से जोड़ते हुए विकास की गंगा बह रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने के लिए डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। काशी, विंध्याचल, चित्रकूट, अयोध्या के बाद अब तो हम मथुरा और वृंदावन की तरफ भी भिड़ गए हैं। कहा कि विरासत के साथ-साथ विकास पर भी काम करेंगे। सीएम ने कहा जो सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाने का प्रयास करेगा, पहले से उसका टिकट रिजर्व कर दिया जाएगा। पहले विकास के नाम पर यह लोग डी कंपनी को पालते थे, यानी दाउद कंपनी। हमारी सरकार ने ऐसे लोगों को जहन्नुम का टिकट दे दिया। गौरतलब है कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जुड़े गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 91.35 किमी है। यह गोरखपुर के एनएच-27 पर जैतपुर के पास शुरू होकर आजमगढ़ के सलारपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से मिलता है। चार जिलों गोरखपुर,संतकबीरनगर, आंबेडकरनगर और आजमगढ़ से होकर गुजरने वाला यह एक्सप्रेस-वे भविष्य में छह लेन तक विस्तारित किया जा सकता है। एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण सहित 7283.28 करोड़ रुपये की लागत आई है। इसका निर्माण दो भाग में गोरखपुर के जैतपुर से अंबेडकरनगर के फुलवरिया तक (48.317 किमी) और फुलवरिया से आजमगढ़ के सलारपुर तक (43.035 किमी) किया गया है।

यूपी के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बुधवार से दक्षिणी हिस्से से शुरू हुई मानसूनी बारिश का दायरा धीरे- धीरे तराई, मध्य और पश्चिमी इलाकों तक बढ़ने लगा है। मौसम विभाग का कहना है कि शुक्रवार को प्रदेश में बारिश के क्षेत्रफल और तीव्रता में और बढ़ोतरी आएगी। शुक्रवार के लिए पूर्वी-दक्षिणी यूपी और बुंदेलखंड के बांदा, झांसी, ललितपुर समेत कुल 12 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही मध्य व पश्चिमी यूपी के 23 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट है। वहीं प्रदेश के 55 जिलों में गरज चमक के साथ वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। बारिश के दौरान इन इलाकों में तेज झोंकेदार हवाएं चलने के आसार हैं।

प्रदेश में मानसून के दाखिल होने के साथ ही बृहस्पतिवार को फिरोजाबाद में सर्वाधिक 120 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं आगरा, मथुरा, अलीगढ़, फिरोजाबाद, इटावा, बुलंदशहर, मेरठ, बरेली, सीतापुर, लखनऊ, बाराबंकी, बहराइच, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, सोनभद्र, वाराणसी, सुल्तानपुर में भी हल्की से मध्यम बारिश हुई।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 20 जून को यूपी के विभिन्न हिस्सों में बारिश की तीव्रता और क्षेत्रफल में विस्तार देखने को मिलेगा।

भारी से बहुत भारी वर्षा के लिए ऑरेंज अलर्ट: बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, भदोही, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में।

यहां है मेघगर्जन व वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, गोंडा, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में।

कानपुर डीएम और सीएमओ विवाद: अखिलेश यादव बोले- सच सामने लाने के लिए उच्चस्तरीय जांच की जाए

लखनऊ, एजेंसी। कानपुर के जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह पर अभद्र टिप्पणी करने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के मामले में सीएमओ हरिदत्त नेमी को निलंबित किया जा चुका है। मामले पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल साइट एक्स पर बयान जारी करते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि ईमानदार ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सकता है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, कानपुर के डीएम बनाम सीएमओ के बीच की टकराहट का सच सामने लाने के लिए एक उच्चस्तरीय, निष्पक्ष जांच बैठाई जाए।

कानपुर के जिलाधिकारी ने नेमी पर वित्तीय अनियमितता करने, अस्पतालों से वसूली करने के गंभीर आरोप लगाते हुए सीएम को पत्र लिखा था। जिसको संज्ञान में लेकर कार्रवाई के साथ इनके खिलाफ विजिलेंस जांच भी शुरू हो गई। सीएमओ को महानिदेशालय लखनऊ से संबद्ध कर दिया गया है।

श्रावस्ती के एसीएमओ डॉ. उदय नाथ को कानपुर का नया सीएमओ बनाया गया है। वहीं, डॉ. हरिदत्त नेमी हाईकोर्ट जाने की तैयारी में हैं। स्वास्थ्य विभाग की सचिव रितू माहेश्वरी की ओर से बृहस्पितवार को निलंबन आदेश जारी किया गया। निलंबन आदेश जारी होते ही सीएमओ ने अपने कैंप कार्यालय से प्रेस वार्ता कर डीएम पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनसे पैसा चाहते थे, सिस्टम में आने की सलाह देते रहे। जब हम उनके सिस्टम में नहीं आए तो निलंबन की संस्तुति कर दी। उन्होंने कहा, 16 दिसंबर 2024 को कार्यभार ग्रहण करने के बाद से डीएम हर बैठक में उन्हें जाति सूचक शब्दों के जरिए उत्पीड़न करते रहे।

तबादलों में भ्रष्टाचार: मायावती की मांग - ट्रांसफर में भ्रष्टाचार की विजिलेंस और एसआईटी से कराएं जांच

लखनऊ , एजेंसी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मांग की है कि अलग-अलग विभागों के तबादले में हो रहे भ्रष्टाचार की विजिलेंस और एसआईटी का गठन कर जांच की जानी चाहिए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने सोशल साइट एक्स पर बयान जारी कर कहा कि देश के अधिकतर प्रदेशों की तरह यूपी में भी हर स्तर पर सरकारी कार्यकलापों के साथ ही विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार और हिस्सेदारी के आरोपों से घिरे तबादलों की अनवरत आम चर्चा होती है। ऐसी खबरों का मुख्यमंत्री को कड़ा संज्ञान लेकर ना सिर्फ भ्रष्टाचार निरोधक विजिलेंस विभाग आदि को सक्रिय करना चाहिए बल्कि समयबद्ध एसआईटी का भी गठन करके व्यवस्था में आवश्यक सुधार करना जन व देशहित में जरूरी है। सरकारी भ्रष्टाचार व अफसरों की द्वेषपूर्ण मनमानी पर यूपी सीएम जितना जल्द सख्त कदम उठाए उतना बेहतर है।

बता दें कि स्टांप एवं पंजीयन विभाग में हुए तबादलों में बड़े पैमाने पर पैसे के लेनदेन की शिकायत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ी कार्रवाई करते हुए महानिरीक्षक निबंधक (आईजी स्टांप) समीर वर्मा को हटाकर प्रतिक्षारत कर दिया है। साथ ही उनके द्वारा किए गए सभी 210 तबादलों को भी रद्द कर दिया है। मुख्यमंत्री ने यह कार्रवाई स्टांप एवं पंजीयन राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल की शिकायत पर की है। जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आईजी स्टांप द्वारा किए गए तबादलों में भ्रष्टाचार की शिकायत की थी। सीएम ने मामले की जांच कराने के भी आदेश दिए हैं।

नौकरी लगते ही छोड़ा पति: युवक विदेश में कमाता रहा... पत्नी के नाम खरीदी जमीन, वह किसी और के प्यार में छोड़ गई

गोरखपुर , एजेंसी। पत्नी को सरकारी नौकरी दिलाने के लिए एक व्यक्ति कई वर्षों तक परिवार से दूर सऊदी अरब में कमाता रहा। वहां से रुपये भेजता था तो परिवार का खर्च और पत्नी पढ़ाई करती थी। कुछ रुपये बचाए तो पत्नी के नाम से ही जमीन खरीदी। अब एक विभाग में लिपिक बनने के बाद पत्नी को दूसरे व्यक्ति से प्यार हो गया है। वह पति को छोड़कर चली गई और जमीन भी बेच दी। आरोप है कि एक दिन सास-ससुर से मारपीट भी कर ली, जिसके बाद पति की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पिपराइच क्षेत्र में एक व्यक्ति ने पुलिस को पत्र देकर शिकायत की है। सीओ चौरीचौरा को इसकी जांच सौंपी गई है। पीड़ित ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से सऊदी अरब में रहकर नौकरी करता था। पत्नी को पढ़ाता था कि उसकी सरकारी नौकरी लग जाए। इसके बाद वह अपने देश में आकर कुछ व्यापार कर लेगा। परिवार के खर्च के अलावा वह पत्नी की पढ़ाई के लिए भी रुपये भेजता था। उसका 14 वर्ष का एक बेटा भी है।

उसने बताया कि कुछ बचत कर उसने पत्नी के नाम पर जमीन भी खरीदी। कुछ समय पहले पत्नी एक सरकारी विभाग में लिपिक बन गई। इसी दौरान उसे दूसरे व्यक्ति से प्रेम हो गया। कुछ दिन बाद पति भी सऊदी अरब से वापस आ गया। घर में ही उसने एक किराने की दुकान खोल ली। आरोप है कि कुछ दिनों पहले पत्नी उसे छोड़कर चली गई। पत्नी ने खरीदी गई जमीन बेचकर रुपये अपने पास रख लिए। अब कोर्ट में भी उसने तलाक के लिए अर्जी दी है। यह भी आरोप लगाया कि एक दिन वह दुकान में आई और सास-ससुर से मारपीट की। पति ने कहा कि वह तलाक नहीं चाहता।

एसपी नॉर्थ जितेंद्र श्रीवास्तव के पास शिकायत आने पर उन्होंने सीओ चौरीचौरा को मामले की जांच सौंपी है। एसपी नॉर्थ ने कहा कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

गोला में भी सामने आ चुका है मामला... नर्स बनने के बाद पति को छोड़ा: गोला क्षेत्र का एक युवक 24 मई को पत्नी पर धोखा देने का आरोप लगाकर मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया था। उसने आरोप लगाया कि पत्नी उसे धोखा दे रही है। खेत बेच कर पत्नी को गोरखपुर से नर्सिंग कोर्स कराया। उसके बाद नीट की तैयारी कराई, रेलवे की परीक्षा भी दिलाई। जब रेलवे में भी सफलता नहीं मिली तो वह गोरखपुर के एक निजी अस्पताल में नौकरी करने लगी। फिर वहीं पर किराए के मकान में रहने लगी। जबकि युवक घर से खाने-पीने का सामान गोरखपुर के क्वार्टर पर पहुंचाता रहा। युवक ने बताया कि एक सप्ताह पहले अयोध्या में श्रीरामलला का दर्शन करने गया था। वहां से देर रात गोरखपुर के क्वार्टर पर पहुंचा तो कमरे में बाहर से ताला लगा मिला। मकान मालिक से ताला खुलवाकर अंदर दाखिल हुआ तो पत्नी किसी अन्य युवक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में मिली। जब दोनों से सवाल-जवाब किया तो पकड़ा गया युवक वहां से भाग निकला। उसने पत्नी से इस बारे में पूछा तो उसने कुछ नहीं बताया।

2000 नवनियुक्त सिपाहियों के लिए ट्रेनिंग कोर्स शुरू, जानेंगे आचार संहिताज्सीखेंगे सैल्यूट करना

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में पुलिस महकमे के नए सिपाहियों को आचार संहिता का पाठ पढ़ाने के साथ ही सैल्यूट करना सिखाया जाएगा। उन्हें बताया जाएगा कि ड्यूटी के दौरान उन्हें किस तरह से रहना है। पुलिस अधिकारियों के आने पर उनकी क्या प्रतिक्रिया होनी चाहिए।

यह जानकारी सिपाहियों को महीने भर के ज्वाइनिंग ट्रेनिंग कोर्स के दौरान दी जाएगी। ये कोर्स आज यानी 20 जून से पुलिस लाइन में शुरू होगा। इस दौरान रिक्रूट बिठूर क्षेत्र, पुलिस लाइन, ट्रैफिक पुलिस लाइन, बिल्हौर, आईटीबीपी सेंटर में रुकेंगे।

अन्य जिलों में लेंगे प्रशिक्षण

ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर कानून व्यवस्था वीके सिंह ने बताया कि जेटीसी में कानपुर समेत अन्य जिलों के दो हजार सिपाही शामिल होंगे। इसके बाद नौ महीने का रिजर्व ट्रेनिंग कोर्स चलेगा। कोर्स में 600 सिपाही शामिल होंगे। बाकी के सिपाही अन्य जिलों में जाकर प्रशिक्षण लेंगे।

रेलवे स्टेशन पर 36 घंटे वाहन खड़े करने पर वसूल रहे 72 घंटे का किराया

चंदौली , एजेंसी। पीडीडीयू जंक्शन पर बाइक पार्किंग के नाम पर यात्रियों से जबरन वसूली की जा रही है। 36 घंटे वाहन खड़ी करने पर 72 घंटे का किराया वसूला जा रहा है। वहीं 24 घंटे में एक मिनट भी विलंब होने पर अगले 24 घंटे का किराया वसूला जा रहा है। इसको लेकर रोजाना 15-20 यात्रियों से पार्किंग संचालकों की बहस भी हो रही है लेकिन उनकी धमकी और डर से यात्री पैसे दे रहे हैं। पोल तब खुली जब पार्किंग संचालकों ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन बिहार के प्रदेश सचिव डॉ. संतोष कुमार सिंह से भी 36 घंटे पार्किंग के बदले 72 घंटे का किराया वसूल किया। उन्होंने एक्स पर रेलवे से यह शिकायत भी की है।

पीडीडीयू जंक्शन देश का सबसे प्रतिष्ठित और पुराना रेलवे स्टेशन है। यहां रोजाना 20

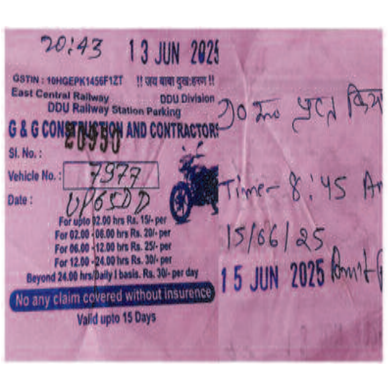

हजार से ज्यादा यात्रियों का आवागमन होता है लेकिन यात्रियों की सुविधाओं और उनकी समस्याओं पर किसी का ध्यान नहीं जाता। जिम्मेदारों की मिलीभगत से पार्किंग संचालक और अन्य दुकानदार आए दिन यात्रियों को ठगते मिलते हैं।

स्थिति यह हो गई है चार महीने पहले जहां बाइक पार्किंग का किराया 24 घंटे में मात्र 10 रुपया लगता था। अब वहीं 24 घंटे का किराया 30 रुपया हो गया है। वहीं अब घंटे के हिसाब से किराया वसूला जा रहा है। लेकिन घंटा का नियम भी उन लोगों के लिए लागू नहीं हो रहा है जो एक या दो दिन बाइक खड़ी कर रहे हैं। उनसे जबरन एक दिन ज्यादा का पार्किंग शुल्क लिया जा रहा है। रेलवे स्टेशन के सामने यात्रियों के साथ खुलेआम ठगी हो रही है लेकिन रेलवे के जिम्मेदार अधिकारी जान बूझकर अंजान बने हुए हैं।

केस-1: इंडियन मेडिकल एसोसिएशन बिहार के प्रदेश सचिव डॉ. संतोष कुमार सिंह 13 जून की रात 8: 43 पर अपनी स्कूटी पीडीडीयू जंक्शन के पार्किंग में खड़ा किए। उसके बाद वे ट्रेन से पटना चले गए। वे 15 जून को वापस आ गए और सुबह 8:45 पार्किंग में गाड़ी लेने पहुंचे तो पार्किंग संचालक ने उनसे 90 रुपये यानि कुल तीन दिन 72 घंटे का किराया मांगा। जबकि गाड़ी खड़ी किए दो दिन भी नहीं हुए थे। दो दिन भी 15 जून की शाम 8:43 बजे होते। तीन दिन का किराया मांगने पर उन्होंने विरोध किया तो संचालक उनके पास आकर धमकाने लगे और कहने लगे कि आपको देना ही होगा। 13 से 15 तीन दिन हो गया। उन्होंने रसीद पर उनसे लिखने को कहा तो संचालक ने लिख भी दिया और मुहर भी लगा दिया। कहा जो करना है जाकर कर लेना। हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

केस-2: मुगलसराय के कृष्ण कुमार अपने मित्र के साथ प्रतियोगी परीक्षा देने 17 जून को प्रयागराज गए। उन्होंने 17 जून की रात 11:41 मिनट पर पीडीडीयू जंक्शन के बाइक पार्किंग में अपनी बाइक पार्क की और रसीद ली जिसपर 11:41 का समय भी लिखा है। 18 जून को वापस वे 11:39 पर पार्किंग में आ गए। पार्किंग संचालकों ने देखा कि यह तो समय से पहले पहुंच गए हैं। तो हमारी दाल नहीं गलेगी। इसलिए उन्होंने उनसे अपनी गाड़ी खोजकर लाने को कहा। गाड़ी खोजकर लाने में उनको तीन मिनट लगे और वे रसीद दिए तो 11:42 मिनट हो रहे थे। यानि एक मिनट लेट हुआ वो भी गाड़ी लाने में। ऐसे में पार्किंग संचालकों ने उनसे अगले 24 घंटे का भी किराया वसूल किया। लाख बहस करने पर भी नहीं माने और कहे कि हम पैसे लेकर रहेंगे।

छिन गया परिवार का सहारा: सात माह की बेटी के सिर से उठा पिता का साया

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले के फुटहवानारे तिराहे पर बीती बृहस्पतिवार की देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

जानकारी के मुताबिक, सत्येंद्र प्रजापति (25) का फुटहवानारे तिराहे पर चाट की दुकान है। रात करीब 10 बजे दुकान बंद कर सत्येंद्र बाइक से लेढ़ूपुर की तरफ जा रहा था, इसी बीच उधर से आते समय फुटहवानारे तिराहे को पार करते समय किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद सत्येंद्र सड़क किनारे पत्थर से जाकर टकरा गया, जिससे सिर पर गंभीर चोट आई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक चिरईगांव थाना चौबेपुर के प्रधान प्रजापति का बेटा था, जो चार बहनों में इकलौता भाई था। घटना के बाद से ही पत्नी बबीता बेसुध हो जा रही है। उसकी सात माह की एक बच्ची है। पत्नी बिलखते हुए बोली अब हम केकरे सहारे जीयब।

इंडिया-इंग्लैंड टेस्टः

लंच ब्रेक तक भारत का स्कोर 92/2

लीड्स, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच आज लीड्स में पहले टेस्ट की शुरुआत हो चुकी है। भारतीय टीम इस दौरे की शानदार शुरुआत करने के इरादे से उतरी है। रोहित-कोहली की अनुपस्थिति में गिल की अगुआई वाली भारतीय टीम के सामने इंग्लैंड की कठिन चुनौती है। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले दिन लंच तक दो विकेट गंवा दिए हैं।

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी और पहले विकेट के लिए 91 रनों की साझेदारी की थी। इस साझेदारी को ब्रायडन कार्स ने केएल को आउट कर तोड़ा। राहुल के आउट होने के बाद साई सुदर्शन क्रीज पर उतरे। सुदर्शन ने इस मैच से डेब्यू किया है, लेकिन पहली पारी में वह असफल रहे और खाता खोले बिना आउट हुए। भारत ने लंच ब्रेक तक दो विकेट पर 92 रन बनाए हैं। फिलहाल यशस्वी जायसवाल 74 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 42 रन बनाकर खेल रहे हैं।

इंग्लैंड के लिए अब तक कार्स और स्टोक्स ने एक-एक सफलता हासिल की है। अच्छी शुरुआत के बाद भारत को एक रन के अंतराल पर दूसरा झटका लग गया है। पहले केएल राहुल पवेलियन लौटे और अब डेब्यू मैच खेल रहे साई सुदर्शन खाता खोले बिना आउट हुए। बेन स्टोक्स की गेंद पर सुदर्शन विकेट के पीछे कैच थमा बैठे। भारतीय टीम को केएल राहुल के रूप में पहला झटका लगा है। यशस्वी और राहुल के बीच अच्छी साझेदारी पनप रही थी और दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 91 रन जोड़ लिए थे, लेकिन ब्रायन कार्स ने केएल को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा और इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। राहुल अर्धशतक लगाने के करीब थी, लेकिन 78 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 42 रन बनाकर आउट हो गए।

हाले ओपन टूर्नामेंट

हाले ओपन टूर्नामेंट में उलटफेर वर्ल्ड नंबर-1 सिनर को 45वीं रैंक एलेक्जेंडर बब्लिक ने हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बब्लिक ने हाले ग्रास टूर्नामेंट में एक बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा चैंपियन जैनिक सिनर को हरा दिया। वर्ल्ड के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर को 45वीं रैंकिंग वाले बब्लिक ने 6-3, 3-6, 6-4 से मात दी। समर 2023 के बाद यह पहला मौका है जब सिनर को टॉप-20 से बाहर के किसी खिलाड़ी ने हराया है।

सिनर ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में बब्लिक को केवल छह गेम में हराया था, लेकिन इस बार बब्लिक ने शानदार प्रदर्शन किया। अब तक दोनों 6 बार एक-दूसरे का आमना-सामना कर चुके हैं। बब्लिक ने कहा, हम टेनिस खिलाड़ी हर मैच जीतने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह जीत खास है। मैंने पहली बार नंबर एक खिलाड़ी को हराया।

बब्लिक अब क्वार्टर फाइनल में चेक गणराज्य के टॉमस मचाक से भिड़ेंगे, जिन्होंने हंगरी के फैबियन मारोजसान को 6-2, 6-3 से हराया। वर्ल्ड के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर को 45वीं रैंकिंग वाले बब्लिक ने 6-3, 3-6, 6-4 से मात दी. वर्ल्ड के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर को 45वीं रैंकिंग वाले बब्लिक ने 6-3, 3-6, 6-4 से मात दी

एलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टर फाइनल में पहुंचे: वर्ल्ड नंबर-3 एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के लोरेंजो सोनेगो को तीन सेटों में 3-6, 6-4, 7-6 (7/2) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ अपनी पांचवीं जीत हासिल की।

पहला सेट हारने के बाद ज्वेरेव ने दूसरे सेट में वापसी की और तीसरे सेट के टाईब्रेक में दबदबा बनाया। अब उनका मुकाबला इटली के फ्लावियो कोबोली से होगा।

एक अन्य मैच में, अर्जेंटीना के 63वें रैंक के टॉमस मार्टिन एचेवेरी ने चौथी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव को तीन घंटे के कड़े मुकाबले में 6-3, 6-7 (4/7), 7-6 (8/6) से हराया। एचेवेरी ने अंतिम सेट के टाईब्रेक में दो मैच पॉइंट बचाए और अब क्वार्टर फाइनल में रूस के करेन खाचानोव से खेलेंगे।

डब्ल्यूबीबीएल में इस साल भी ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलेंगी जेमिमाह रॉड्रिग्स

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज जेमिमाह रॉड्रिग्स महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 ड्राफ्ट में चुनी गई एकमात्र भारतीय हैं। उन्हें उनकी पुरानी टीम ब्रिस्बेन हीट ने रिटेन किया है। गुरुवार को हुए डब्ल्यूबीबीएल ड्राफ्ट के दौरान उन्हें मेलबर्न स्टार्स ने अपनी पहली पसंद के रूप में चुना था, लेकिन हीट ने रिटेंशन का उपयोग कर उन्हें अपने साथ बनाए रखा। पिछले साल हीट के लिए खेलते हुए जेमिमाह ने 10 पारियों में 33 की औसत और 139 के स्ट्राइक रेट से एक अर्धशतक के साथ कुल 267 रन बनाए थे। पिछले सीजन हीट फाइनल तक पहुंची थी और बारिश से प्रभावित फाइनल में मेलबर्न रेनेगेड्स से हारकर उपविजेता बनी थी।

यह रॉड्रिग्स का चौथा डब्ल्यूबीबीएल सीजन होगा। इससे पहले वह 2021-22 में रेनेगेड्स और 2022-23 में स्टार्स की तरफ से खेल चुकी हैं। कुल मिलकर उन्होंने इस लीग में 30 मैच की 28 पारियों में 26 को औसत और 121 के स्ट्राइक रेट से 644 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। रॉड्रिग्स के अलावा कुल 15 भारतीय डब्ल्यूबीबीएल और बीबीएल की ड्राफ्ट प्रक्रिया में शामिल थे।

इसमें भारतीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल के अलावा यास्तिका भाटिया, शिखा पांडे, कनिका आहुजा, उमा छेत्री, सलोनी डांगोरे, अमरपाल कौर ढिल्लन, काश्वी गौतम, प्रिया मिश्रा, श्रेयंका पाटिल, निक्की प्रसाद, प्रतिका रावल, अरुंधति रेड्डी, एस मेघना, राधा यादव जैसे नाम शामिल थे। हालांकि इसमें से किसी का भी किस्मत का पिटारा नहीं खुल पाया।

ऑस्ट्रेलिया- वेस्टइंडीजः

मार्नस लाबुशेन पर गिरी गाज, वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट से ड्रॉप, स्मिथ भी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2027 के नए चक्र की शुरुआत करने जा रही है, लेकिन इस बार उनकी टीम में कुछ बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे।

अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं, वहीं हाल के समय में खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को भी टीम से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। उनकी जगह जोश इंगलिस और सैम कोन्स्टास को मौका दिया गया है, जो बारबाडोस में 25 जून से शुरू होने वाले पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की नई बल्लेबाजी लाइन-अप का हिस्सा होंगे।

स्मिथ की चोट:

स्टीव स्मिथ, जो ऑस्ट्रेलिया के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान उंगली में लगी चोट के कारण अभी पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने बताया, स्टीव की उंगली का घाव अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुआ है। हम उन्हें एक हफ्ते और आराम दे रहे हैं और इसके बाद उनकी स्थिति का आकलन करेंगे। उम्मीद है कि स्मिथ 3 जुलाई से ग्रेनाडा में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट तक वापसी कर सकते हैं।

लाबुशेन का खराब फॉर्म:

वहीं, मार्नस लाबुशेन पिछले दो सालों से टेस्ट क्रिकेट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हाल ही में लॉर्ड्स में खेले गए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में उन्हें ओपनिंग की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन वह दोनों पारियों में क्रमशः 17 और 22 रन ही बना सके। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस हार के बाद चयनकर्ताओं ने कड़ा फैसला लेते हुए उन्हें पहले टेस्ट से बाहर कर दिया।

हालांकि, बेली ने लाबुशेन का हौसला बढ़ाते हुए कहा, मार्नस जब अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में होता है, तो वह इस टीम का अहम हिस्सा है। हम उनके साथ उनके खेल के उन पहलुओं पर काम करेंगे, जिनमें सुधार की जरूरत है। हमें उनकी काबिलियत पर पूरा भरोसा है। ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में कप्तान पैट कमिंस के नेतृत्व में कई अनुभवी और युवा खिलाड़ी शामिल हैं।

टीम इस प्रकार हैः

पैट कमिंस (कप्तान), सैम कोन्स्टास, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, स्टीव स्मिथ, जोश इंगलिस, ट्रैविस हेड, एलेक्स कैरी, ब्यू वेबस्टर, मिशेल स्टार्क, सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन, मैट कुह्नमैन।

वहीं, वेस्टइंडीज की टीम रोस्टन चेज की कप्तानी में उतरेगी। उनकी टीम में क्रेग ब्रैथवेट, मिकाइल लुई, ब्रैंडन किंग, जॉन कैंपबेल, शाई होप, टेविन इमलाच, जस्टिन ग्रीव्स, कीसी कार्टी, जोमेल वारिकन, केव्लोन एंडरसन, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, जोहान लेन, एंडरसन फिलिप और जेडन सील्स शामिल हैं।

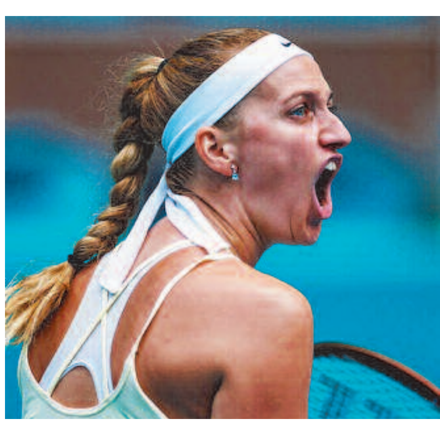

सितंबर में संन्यास लूंगी: पेत्रा क्वितोवा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्वितोवा ने कहा, मैं एक बार फिर विंबलडन चैंपियनशिप खेलने के लिए रोमांचित हूं जहां मेरे करियर की खुशगवार यादें हैं। मैं अपना करियर न्यूयॉर्क में अमेरिकी ओपन (अगस्त-सितंबर) में खेलकर खत्म करने की इच्छा रखती हूं। दो बार की विंबलडन चैंपियन पेत्रा क्वितोवा ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उनकी योजना कुछ महीनों के अंदर संन्यास लेने की है।

चेक गणराज्य की इस खिलाड़ी को 30 जून से शुरू होने वाले विंबलडन के लिए बुधवार को वाइल्ड कार्ड दिया गया था। क्वितोवा ने कहा, मैं एक बार फिर विंबलडन चैंपियनशिप खेलने के लिए रोमांचित हूं जहां मेरे करियर की खुशगवार यादें हैं। मैं अपना करियर न्यूयॉर्क में अमेरिकी ओपन (अगस्त-सितंबर) में खेलकर खत्म करने की इच्छा रखती हूं।

टेनिसः

सरकारी लाभ लेने वाले टेनिस खिलाड़ियों को अब देश के लिए खेलने से इनकार करना पड़ेगा भारी, साई वसूलेगा रकम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के नए आदेश के अनुसार विभिन्न योजनाओं के जरिये वित्तीय मदद हासिल करने वाले देश के टेनिस खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में खेलने को प्राथमिकता देनी चाहिए। यदि वे बिना किसी 'वैध स्पष्टीकरण' के खेलने से इनकार करते हैं तो उनसे धनराशि वसूल की जाएगी। खिलाड़ियों को प्राप्त धनराशि के लिए जवाबदेह बनाते हुए साई ने अपने आदेश में 'टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप' (टीएजीजी) के अंतर्गत मदद के लिए चुने गए खिलाड़ियों को लिखित में देने को कहा है, जिसमें वे स्वीकार करें कि वित्तीय मदद हासिल करना देश के खेल उत्कृष्टता में योगदान देने की जिम्मेदारी है।

यह मामला तब चर्चा में आया जब टीएजीजी में शामिल करने के लिए खिलाड़ियों के नामों पर चर्चा की गई। साई ने अपने आदेश में टॉप्स, एनएसएफ (राष्ट्रीय खेल महासंघ) और टीएजीजी योजनाओं के अंतर्गत मदद हासिल करने वाले खिलाड़ियों से बिली जीन किंग कप, डेविस कप, एशियाई खेल और ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उनकी उपलबधता और इच्छा की पुष्टि करने को कहा है। साई के आदेश के अनुसार, 'ये टेनिस प्रतियोगिताएं राष्ट्रीय गौरव के लिए अहमियत रखती हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि वित्तीय मदद हासिल करने वाले सभी खिलाड़ियों को अगर अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) द्वारा चुना जाता है तो वे भारत का प्रतिनिधित्व करने को प्राथमिकता दें।' इसमें कहा गया है, 'हम आपको यह भी सूचित करना चाहेंगे कि एनएसएफ द्वारा चयन की स्थिति में अगर आप बिना किसी वैध स्पष्टीकरण के इन टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला करते हैं तो आज तक दी गई वित्तीय मदद लागू दिशानिर्देशों के अनुसार वसूली के अधीन होगी।' 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' (टॉप्स) की तर्ज पर जापान में 2026 एशियाई खेलों में भारत की पदक तालिका में इजाफा करने के उद्देश्य से टीएजीजी को इस साल अप्रैल में लांच किया गया था। बीते समय में ऐसे कई उदाहरण हैं, जब खिलाड़ियों ने डेविस कप खेलने से इनकार कर दिया था।

शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने पाकिस्तान (2024) की यात्रा नहीं करने का फैसला किया, जबकि उन्होंने स्वीडन (2024) और टोगो (2025) के खिलाफ मुकाबलों में भी हिस्सा नहीं लिया था। शशिकुमार मुकुंद ने भी पाकिस्तान और स्वीडन के मुकाबलों से नाम वापस ले लिया था, लेकिन वह इस साल फरवरी में नई दिल्ली में टोगो के खिलाफ मुकाबले के लिए राष्ट्रीय टीम में लौट आए थे।

युकी भांबरी ने भी स्वीडन और टोगो के खिलाफ होने वाले मुकाबलों के लिए खुद को अनुपलब्ध बताया था। पता चला है कि नागल, भांबरी, रामकुमार रामनाथन, एन श्रीराम बालाजी, साकेत मायनेनी और रित्विक बोलीपल्ली को टीएजीजी में शामिल किया गया है। महिलाओं में शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी श्रीवल्ली भामीदिपति, सहजा यमलापल्ली, वैदेही चौधरी, ऋतुजा भोसले और युवा खिलाड़ी माया राजेश्वरन को भी इस योजना में शामिल किया गया है।

जॉन सीना के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी

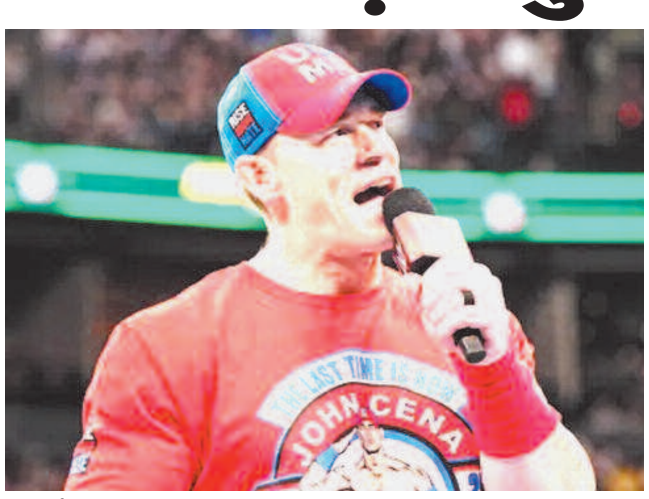

नई दिल्ली, एजेंसी। जॉन सीना के फैंस के लिए एक बड़ी खबर है। डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन में जॉन सीना का फेयरवेल टूर होने वाला है। सात साल बाद न्यूर्क में डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन का पहला शो होगा। जॉन सीना इस शो में आर-ट्रुथ/रॉन किलिंग्स से मुकाबला करेंगे। वह अगले हफ्ते स्मैकडाउन में भी दिखेंगे। इसके बाद सऊदी अरब में सीएम पंक के खिलाफ डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप का बचाव करेंगे। पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार मैथ्यू रेहवोल्ट का मानना है कि सामी जेन, जॉन सीना को हरा सकते हैं। यह शो समरस्लैम से एक रात पहले, 1 अगस्त को होगा। प्रूडेंशियल सेंटर न एक्स पर बताया कि वे सात साल बाद स्मैकडाउन की मेजबानी करेंगे।

जॉन सीना इस शो में दिखाई देंगे। यह शो 1 अगस्त को होगा, जो समरस्लैम से पहले की रात है। प्रूडेंशियल सेंटर ने ट्वीट किया, 7 साल में पहली बार, डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन समरस्लैम से पहले न्यूर्क में वापस आ रहा है। जॉन सीना का द लास्ट टाइम इज नाउ टूर और डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे बड़े सुपरस्टार्स के साथ नॉनस्टॉप एक्शन होगा! टिकट शुक्रवार, 27 जून को सुबह 10 बजे से बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

मेस्सी का फ्री किक पर गोल

इंटर मियामी ने दो बार के यूरोपीय चैंपियन को हराया

अटलांटा (अमेरिका), एजेंसी। स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना पहला गोल फ्री किक पर किया जिससे इंटर मियामी ने दो बार के यूरोपीय चैंपियन पोर्टो पर 2-1 से जीत हासिल की। इंटर मियामी की टीम मध्यांतर तक 1-0 से पीछे थी, लेकिन टेलास्को सेगोविया ने दूसरे हाफ के दो मिनट बाद मार्सेलो वीगन्डट के क्रॉस पर गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद अर्जेंटीना के 37 वर्ष के खिलाड़ी मेस्सी का जादू देखने को मिला। उन्होंने फ्री किक पर खूबसूरत गोल करके फिर से यह साबित कर दिया कि उन्हें दुनिया के सबसे महानतम खिलाड़ियों में क्यों गिना जाता है। इससे पहले पुर्तगाल के क्लब को वीडियो समीक्षा प्रणाली के जरिए शुरू से ही पेनल्टी किक मिली जिसे सामू ओमोरोदियन ने गोल में बदला। इन दोनों टीमों ने ग्रुप ए का अपना पहला मैच गोलरहित बराबर खेला था।

पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन को मिली बड़ी जिम्मेदारी, ऑस्ट्रेलिया ए पुरुष टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इस सीरीज की शुरुआत 4 जुलाई से डार्विन में श्रीलंका ए के खिलाफ सीरीज से होगी।

डार्विन में श्रीलंका ए के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए के कोचिंग समूह में टिम पेन के साथ राष्ट्रीय तेज गेंदबाजी कोच एडम ग्रिफिथ, ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के सहायक कोच स्कॉट प्रेस्टिज, और नॉर्दर्न टेरिटरी क्रिकेट के पाथवे और डेवलपमेंट कोच ट्रेंट कीप शामिल होंगे। राष्ट्रीय टीमों के सीए कार्यकारी महाप्रबंधक बेन ओलिवर ने टिम पेन के ऑस्ट्रेलिया ए के मुख्य कोच के रूप में नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि टिम पिछले दो वर्षों से राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं और अब इस

भूमिका में भविष्य के ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को निखारने के लिए अपने पैशन और आधुनिक कोचिंग अनुभव का उपयोग करेंगे। टिम का समृद्ध खेल और कोचिंग अनुभव उभरते खिलाड़ियों को अगले स्तर तक ले जाने में महत्वपूर्ण होगा। पेन ने 2009 और 2021 के बीच राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था।

वह ऑस्ट्रेलिया ए और एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए अपनी कोचिंग प्रतिबद्धताओं के अलावा आगामी सत्र में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम को कोचिंग सहायता प्रदान करना जारी रखेंगे। उन्होंने पिछले दो वर्षों के दौरान ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम और ऑस्ट्रेलिया ए पुरुष कार्यक्रम के साथ सहायक क्षमता में काम किया है और गत दिसंबर में भारत के खिलाफ पीएम इलेवन को कोचिंग दी थी। इस बीच, गैर-अनुबंधित बाएं हाथ के स्पिनर जेडेन जेह को भी डार्विन में श्रीलंका के खिलाफ मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए की टीम में शामिल किया गया है।